साल 8 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक : 9-10 अप्रेल-मई 2026 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

Happy 50th ANNIVERSARY

With the divine blessings of
Lt. Smt. Phoola Devi & Lt. Shri Phoolchand Ji Balodia
we celebrate

Golden Jubilee Anniversary Celebration

of

Smt. Bimla Devi & Shri Madhav Das Balodia

Artist MADHAV

Specialist for thermocol job all kinds of venue decoration

"Balodia House", J-10-926, Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur-302004

9799398618/19/20

Email.: artist_madhav@yahoo.co.in | artistmadhav@gmail.com

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक - 9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385 यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

कक्षा 10वीं एवं 12वीं राजस्थान बोर्ड एवं केन्द्रीय बोर्ड के परिणाम आ गये हैं। परिणामों को देखकर एक सुखद अनुभूति हुई कि हमारे कुमावत समाज के विद्यार्थियों ने भी लगभग 99% तक अंक लाकर कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। यह प्रमाणित करता है कि इन बच्चों ने कितनी मेहनत और बुद्धि कौशल से ऐसा किया है। इसलिए हम पेरेन्ट्स और हमारे बच्चे यह नहीं सोचे कि वे किसी अन्य जाति के बच्चों से कम हैं। जिन विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली है वे आगे की पढ़ाई के लिए मार्गदर्शन लें तथा रुचि के अनुरूप आगे के कोर्सेज/विषय चयन पर ध्यान दें। आज का युग आर्थिक युग है **तथा यह और अधिक इस ओर ही बढ़ेगा।** इसलिए विषय के चुनाव में इसका विशेष ध्यान रखना होगा। परन्तु कोई विद्यार्थी यदि गायन, संगीत, चित्रकला व कला की अन्य विधाओं में अधिक रुचि रखता है तो रुचि अनुरूप विषय में अपने कैरियर पर फोकस करने में ही सार्थकता है। आजकल अनेक नये विषयों के कोर्सेज हैं जिनमें BBA, BCA, B Pharma, B Arch आदि जिन्हें लेने पर विचार किया जा सकता है।

जिन विद्यार्थियों के कम नम्बर आये हैं उन्हें उदास होने की जरूरत नहीं है। केवल एक परीक्षा किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का सही मापदण्ड नहीं होती। आगे की परीक्षाओं में मेहनत करके अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होकर इस कमी को दूर किया जा सकता है।

हमारे समाज के लोगों में आधारभूत बुद्धिमता रही है तभी तो वे इतने विशाल एवं आकर्षक महल, किले, मंदिर एवं भवन बना पाये। चाहे उन पर तत्कालीन राजाओं एवं शासकों का नाम लिखा हो परन्तु अन सीन हीरो (Unseen Heros) तो इनको बनाने वाले कारीगर हमारे बुजुर्ग रहे हैं। इस प्रकार बुद्धिमत्ता एवं कठिन मेहनत में हमारे समाज के लोगों का कोई सानी नहीं है। इसे प्रमाणित किया है हमारे विद्यार्थियों ने। ये सभी विद्यार्थियों को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

डाक विभाग में पोस्टमैनों की कमी एवं उनकी लापरवाही से हमारे कुछ पाठकों के पास पत्रिका नहीं पहुंच पाती है। इस हेतु डाक विभाग को पत्रिका की ओर से शिकायती पत्र लिखे जाते हैं। पाठकगणों से भी निवेदन है कि वे भी अपने स्तर पर उनसे सम्बन्धित डाकघर को लिखित शिकायत करें। हालांकि हमारी जानकारी में आने पर हम और पत्रिका भेज देते हैं।

इस वर्ष पंचायतीराज एवं नगर निकायों के चुनाव होना प्रस्तावित हैं। इसमें कुमावत समाज के प्रत्याशी अपना भाग्य अवश्य अजमाये। इसके लिए धरातल पर कार्य अभी से करना होगा और अन्य समाज में अपनी पेठ बनाना जरूरी है। अत: योजनाबद्ध तरीके से हर कदम सोच समझ कर रखें तथा हमारे प्रत्याशी कैसे जीते इस पर हमारे समाज के सदस्यों को भी ध्यान रखना चाहिए। जब तक हम सत्ता में भागीदार नहीं होंगे हम आगे कैसे बढ़ेंगे? इसलिए हम अधिक से अधिक चुनकर इन संस्थाओं में पहुंचे।

जय कुमावत समाज।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विशिष्ट संरक्षक : श्री वीरेन्द्र सिंह तारकशी	4
'मोहन बालोदिया के लाईव कार्यक्रम' में गूंजे 60 के दशक के सदाबहार गीत	4
तेजेश्वनी कुमावत ऑफिस सुपरिंटेंडेंट के पद पर चयनित	5
पवन कुमावत को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने दी बधाई	5
खाटूश्यामजी के शंकर लाल कुमावत बने वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव	5
किशन कुमावत सेक्शन ऑफिसर चयनित	5
रामपाल जूनवाल यूको बैंक पेंशनर्स फेडरेशन के तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष	5
राजस्थान प्रशासनिक द अधीनस्थ सेवा में सफल अभ्यार्थियों को बधाई	6
श्रीराम नवमी पर 500 महिलाओं ने निकाली कलशयात्रा	6
देव कुमावत को कैलाश विजयवर्गीय ने आशीर्वाद दिया	7
मनीषा को BAMS उपाधि	7
डूंगरराम गेदर ने ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों दौरा किया	7
दीक्षांत समारोह में महर्षि परशुराम कॉलेज के छात्र ने किया गोल्ड मेडल प्राप्त	7
शांति से साथ रहने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस - 16 मई	7
कुमावत समाज रणछौर चौकी ने रामजन्मोत्सव मनाया	8
ओम पब्लिक स्कूल का शत-प्रतिशत परिणाम, विजय रैली से मनाई खुशी	8
भंदे बालाजी विवाह समिति के पन्नालाल सिरस्वा अध्यक्ष बने	8
डॉ. गरिमा कुमावत संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र में वरिष्ठ फेलो पर नियुक्त	8
स्पेशल बादाम मिल्क शेक	9
जावा के प्रम्बनन से, काशी और रामेश्वरम तक : रुद्राक्ष की अद्भुत यात्रा	9
शादियों से दूरी बनाते युवा	10
भगवान 'विधि' के नहीं, बल्कि 'भाव' के भूखे हैं	11
बधाई संदेश	12
गंगा दशहरा: पावन अवतरण और श्रद्धा का महापर्व	13
''माँ—वह कहानी, जो कभी पूरी नहीं होती''	14
स्विट्जरलैंड के CERN में नटराज की मूर्ति : वैज्ञानिकों ने तांडव को परमाणु की उत्पत्ति से जोड़ा	19
बड़े-बुजुर्ग हमारे संरक्षक व मार्गदर्शक	19
अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस: संस्कृति, स्वाद और आजीविका का उत्सव	20
अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड हानिकारक, इससे बचना ही उपाय	21
लक्ष्य स्क्रक्ष हो सफलता निश्चित	21
श्रीमद्भागवत की प्राचीन भविष्यवाणियाँ हुई पूरी	22
वेदों में माता, पिता तथा गुरू ईश्वर तुल्य	22
विश्व साइकिल दिवस : स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए एक बेहतरीन पहल	23
सनातन को समझना और उसकी गहराई का अनुमान लगाना भी आसान नहीं	23
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
कक्षा 12 में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई	27
कक्षा 10 में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई	28
विज्ञापन	15-18,29,30

विशिष्ट संरक्षक

श्री वीरेन्द्र सिंह तारकशी, B.Sc.

पुत्र स्व. श्री राजाराम-श्रीमती माया देवी
निवासी सिवाड एरिया, बापूनगर, जयपुर

श्री वीरेन्द्र सिंह तारकशी का जन्म बीकानेर के प्रतिष्ठित तारकशी परिवार में हुआ था। इनके पिता नौकरी में रहे तथा इनकी शिक्षा झांसी में हुई। शिक्षा पूर्ण करने के बाद इन्होंने जयपुर में युनिवर्सिटी मार्ग, बापूनगर में लक्ष्मी आभूषण मंदिर के नाम से सोने-चांदी के आभूषण बनाने एवं विक्रय करने का वर्ष 1981 में व्यवसाय प्रारम्भ किया। इनके मधुर व्यवहार, मेहनत, व्यावसायिक ईमानदारी एवं समय पाबन्दी ने इस क्षेत्र में जल्द ही अपनी पहचान बना ली, जो आज तक कायम है।

इनका विवाह स्व. श्री पुरुषोत्तम किरोड़ीवाल (मुम्बई) की पुत्री ललिता से हुआ। इनके 2 पुत्रियां व 1 पुत्र है। बड़ी पुत्री प्रियंका (M.Sc.) का विवाह श्री रितेश देवतवाल M.Tech. से हुआ जो हैदराबाद में साफ्टवेयर कम्पनी में कार्यरत हैं। छोटी पुत्री भाविका (M.Sc.) का विवाह श्री दीपक मारवाल से हुआ जो MNC में मैनेजर हैं। पुत्र हर्ष MCA है तथा इनका विवाह ज्योति सुपुत्री श्री हेमचंद घोड़ेला के साथ हुआ है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार **श्री वीरेन्द्र सिंह तारकशी** के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

'मोहन बालोदिया के लाईव कार्यक्रम' में गूंजे 60 के दशक के सदाबहार गीत

महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में 'ये चांद सा रोशन चेहरा' म्यूजिकल लाईव कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें 60 से 80 दशक के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं। इस कार्यक्रम में थीम 'चांद' और 'चेहरे की खूबसूरती' रही। निर्देशन गायक मोहन कुमार बालोदिया ने किया। इस दौरान रश्मि बालोदिया, विशाल शर्मा, निकिता कोका लालवानी, नागेश भटनागर, केके मीना, संजय भटनागर, देवेन सिन्हा, बीके मालपानी, विपिन जैन, मनीषा जैन, सोनिया शर्मा, पूनम चंद्रा और विनेहा पुरोहित ने प्रस्तुतियां दीं। संचालन अरुण किमतकर और विनेहा पुरोहित ने किया।

तेजेश्वनी कुमावत ऑफिस सुपरिंटेंडेंट के पद पर चयनित

टोंक की तेजेश्वनी कुमावत पुत्री श्री राजेन्द्र कुमावत ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन के बल पर ऑफिस सुपरिंटेंडेंट पद पर नियुक्त हुई है। तेजेश्वनी कुमावत ने 12वीं कक्षा तक की शिक्षा Emmanuel Mission School से पूरी की। इसके बाद उन्होंने Banasthali Vidyapith से बी.कॉम. में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त किया। शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ तेजेश्वनी ने Staff Selection Commission की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर ऑफिस सुपरिंटेंडेंट पद पर रक्षा मंत्रालय, दिल्ली में नियुक्त हुई हैं। तेजस्विनी की सफलता से कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से समाज की होनहार बेटी **तेजेश्वनी कुमावत** को हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाए।

पवन कुमावत को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने दी बधाई

जयपुर के पवन कुमावत ने हाल ही थाईलैंड में स्टैन्थ लिफ्टिग में ब्रोन्च मेडल जितने पर व संदीप कडवासरा को मास्टर्स वेटलिफ्टिंग जर्मनी में गोल्ड मेडल जितने पर भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने नई दिल्ली के पंचशील भवन में मेडल पहनाकर बधाई दी पवन कुमावत एवं संदीप कडवासरा ने अब तक अगल-अलग अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए अनेक पदक जीत चुके हैं जिसमें बहरीन, थाईलैंड, श्रीलंका, किर्गिस्तान, हैदराबाद कजाकिस्तान में पदक जीत कर देश का नाम रोशन कर चुके है।

किशन कुमावत सेक्शन ऑफिसर चयनित

गांव एमड़ी राजसमंद के श्री किशनलाल जी कुमावत गौत्र रेनीवाल पुत्र श्री रंगलाल जी कुमावत का चयन भारत सरकार के केन्द्रीय सचिवालय में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर हुआ बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

खाटूश्यामजी के शंकर लाल कुमावत बने वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव

राजस्थान की धरती ने एक बार फिर प्रशासनिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। सीकर जिले के खाटूश्यामजी निवासी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शंकर लाल कुमावत को केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में संयुक्त सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। सोमवार को जारी आदेशों के अनुसार यह नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) की स्वीकृति से की गई है। सूची में देशभर के 48 वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले और नियुक्तियां शामिल हैं, जिनमें कुमावत का नाम प्रमुखता से शामिल है। उनका कार्यकाल मार्च 2030 तक निर्धारित किया गया है। वर्ष 2010 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईएएस अधिकारी कुमावत ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर उत्कृष्ट कार्य किया है। रामनाथपुरम जिले के कलेक्टर के रूप में उनकी कार्यशैली और जनहितकारी निर्णयों की व्यापक सराहना हुई। वर्तमान में वे राजस्व विभाग में निदेशक पद पर कार्यरत थे।

रामपाल जूनवाल यूको बैंक पेंशनर्स फेडरेशन के तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष

अखिल भारतीय यूको बैंक पेंशनर्स फेडरेशन का बौद्ध गया में आयोजित 5वां त्रिवार्षिक सम्मेलन हुआ। जिसमें श्री रामपाल जूनवाल को लगातार तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। यह अत्यंत गौरवशाली उपलब्धि है।

यह उपलब्धि उनकी निस्वार्थ सेवा व कुशल नेतृत्व की प्रतीक है। वर्ष 2018, 2023 के बाद 2026 में भी उनका निर्विरोध निर्वाचन, उनके समर्पण, संगठनात्मक शक्ति, दूरदर्शिता तथा सदस्यों के अटूट विश्वास को दर्शाता है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री रामपाल जूनवाल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

राजस्थान प्रशासनिक एवं अधीनस्थ सेवा में सफल अभ्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

ममता लिम्बा
27वीं रैंक

रक्षा पटेल
265वीं रैंक

मूलाराम गैदर
281वीं रैंक

नेहा कुमावत
काचरोदा

दिव्या सिंगाठिया

नेहा कुमावत
फुलेरा

लक्षिता कुमावत
377वीं रैंक

दीक्षिता कुमावत, जालौर
लेफ्टिनेंट कर्नल

गणेश कुमावत
असिस्टेंट प्रोफसर

सुनील कुमावत
फिजिक्स व्याख्याता

रामेश्वर लाल बीगोद
असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल

सर्व कुमावत क्षत्रीय महासभा

श्रीराम नवमी पर 500 महिलाओं ने निकाली कलशयात्रा

सर्व कुमावत क्षत्रीय महासभा विद्याधर नगर इकाई की ओर से रामनवमी पर विशाल कलशयात्रा निकाली गई। तेजाजी महाराज मंदिर से कलशयात्रा का शुभारंभ हुआ, जो खातीपुरा रोड, दादूद्वारा बगीची होते हुए कुमावत कॉलोनी पहुंची। कलशयात्रा में 500 महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बंबोरिया, पूर्व उप महापौर विमल कुमावत और निवर्तमान पार्षद सुमेर सिंह जोधा सहित समाजबंधु मौजूद रहे। ऐसे आयोजनों से भारतीय संस्कृति की समृद्धि एवं हिन्दुधर्म की जागरूकता होती है जिसे सर्वकुमावत महासभा (रजि.) ने आगे बढ़ाया है।

गारिन कुमावत (अजमेरा)

राजस्थान सेकेण्डरी परीक्षा-2026
दसवीं बोर्ड में 87 प्रतिशत अंक अर्जित करने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

दादा-दादी : नानूराम-श्रीमती नारायणी देवी
बड़े पापा-बड़ी मम्मी : स्व. प्रभुलाल-श्रीमती ईश्वरी देवी
पिता-माता : बबलू-श्रीमती रेणू देवी
नाना-नानी : घासीराम-स्व. श्रीमती राजू देवी
मामा-मामी : विष्णु-श्रीमती तुलसी देवी
बहिन : डिम्पल

सूर्योदय सेकेण्डरी स्कूल, जैन छात्रावास के पीछे, बाजनीतलाई के पीछे वार्ड 97, सांगानेर, जयपुर 9269252478

देव कुमावत अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी को कैलाश विजयवर्गीय ने आशीर्वाद दिया

म. प्र. केबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने **देव कुमावत बैडमिंटन खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडल विजेता** को अपना आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही इंदौर का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने पर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में कुमावत समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे जिनमें कुमावत समाज अध्यक्ष गोपाल कुमावत भाजपा मंडल उपाध्यक्ष शक्ति जी चन्देरिया, नंदकिशोर डाबरिया, सोहन डीडवानिया, राजेश कुमावत सहित अन्य समाजजन शामिल रहे।

डा. सुदीप कुमावत को जनगणना 2026 का मास्टर ट्रेनर बनाया गया है। राजस्थान के जनगणना आयुक्त विष्णु चरण मलिक द्वारा उन्हे यह प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

राजेन्द्र नीमीवाल, रामसरा (हनुमानगढ) के राजस्थान पटवार संघ का प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई।

मनीषा को BAMS उपाधि

डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल द्वारा ऑल राजस्थान में प्रथम स्थान के साथ गोल्ड मेडलिस्ट बनी **डॉ. मनीषा कुमारी कुमावत** को BAMS मानद् उपाधि एवं गोल्ड मेडल देकर किया सम्मानित किया।

डॉ.मनीषा कुमारी कुमावत, लोसल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

डूंगरराम गेदर ने ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों दौरा किया

सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हाल ही में हुई भीषण ओलावृष्टि से किसानों की फसलें नष्ट होने पर क्षेत्र के किसान गहरे आर्थिक संकट में आ गए हैं। विधायक डूंगरराम गेदर ने प्रभावित गांवों का दौरा कर अधिकारियों एवं ग्रामीणों के साथ मौके पर स्थिति का जायजा लिया, किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजे। उन्होने राज्य सरकार से मांग की कि प्रभावित किसानों को शीघ्र उचित मुआवजा एवं आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

दीक्षांत समारोह में महर्षि परशुराम कॉलेज के छात्र ने किया गोल्ड मेडल प्राप्त

महर्षि परशुराम पीजी कॉलेज, दांता के एमए हिन्दी के छात्र **हीरालाल कुमावत** को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर में छठवें दीक्षांत समारोह में राजस्थान के राज्यपाल महामहिम हरि भाऊ बागडे विश्वविद्यालय के कुलगुरु व प्रो. अनिल रॉय ने गोल्ड मेडल एवं डिग्री देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर महाविद्यालय निदेशक सुरेश शर्मा एवं महाविद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहा। छात्र हीरालाल कुमावत की इस उपलब्धि पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

शांति से साथ रहने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस - 16 मई

हर साल 16 मई को, शांति से साथ रहने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस लोगों से दूसरों की बात सुनकर, उनका सम्मान करके और उनकी सराहना करके एकजुट और शांतिपूर्ण तरीके से जीने का आग्रह करता है। कहते हैं कि विविधता ही जीवन का स्वाद है। दुर्भाग्य से, बहुत से लोग उन लोगों से खतरा महसूस करते हैं जो उनसे अलग हैं। जबकि ऐसा लगता है कि हमारा देश और हमारी दुनिया पहले से कहीं अधिक ध्रुवीकृत हो गई है, ब्रह्मांड में नस्लवाद, पूर्वाग्रह और युद्ध का एक लंबा इतिहास है। आजकल मध्य एशिया के देश अमेरिका एवं इजरायल तथा ईरान युद्ध से तनावग्रस्त है। हजारों लोग मारे गये एवं घायल हैं तथा सम्पत्ति की हानि हुई है। ईरान के प्रमुख नेताओं को युद्ध के प्रारम्भ में ही मार दिया गया। ईरान ने अपने पड़ौसी देशों पर मिसाइलों से आक्रमण किया है। इस समय अन्तर्राष्ट्रीय शांति दिवस की महता का महत्व और बढ़ जाता है।

कुमावत समाज रणछौरचौकी ने रामजन्मोत्सव मनाया

कुमावत समाज ने कुमावत सभा भवन पर भगवा पताका फहराकर प्रभु श्री राम जी का जन्मोत्सव मनाया। मीडिया प्रभारी अशोक कुमावत ने बताया कि रामनवमी के महापर्व पर कुमावत समाज रणछौरचौकी संस्थान रावली पाटिया, कांकरोली के कुमावत सभा भवन में कुमावत समाज अध्यक्ष सुंदरलाल दौराया ने प्रभु श्रीराम के चित्र पर माला, इकलाई, पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर, महाप्रसाद के भोग के साथ प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया।

इस दौरान समाज अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रभु श्रीराम जी ने अपने जीवन में सत्य के मार्ग पर चले। इस दौरान प्रभु श्रीराम भगवान की झांकी सजाई एवं दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद सामुहिक रुप से श्री हनुमान चालीसा एवं श्री राम स्तुति की गई। तत्पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया।

इस दौरान उपस्थित मंत्री सुंदरलाल दौराया, कोषाध्यक्ष मोहनलाल मानणिया, पूर्व अध्यक्ष नानालाल साडिवाल, खेलमंत्री चंद्रेश साडिवाल सहित समस्त 32 गांवों के समाजबंधु उपस्थित थे। मंच संचालन तेजराम रेवाडिया ने किया।

ओम पब्लिक स्कूल का शत-प्रतिशत परिणाम, विजय रैली से मनाई खुशी

धावास स्थित ओम पब्लिक स्कूल ने बोर्ड परीक्षा 2026 में कक्षा 12वीं (विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय) तथा कक्षा 10वीं में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल कर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल रहा और विजय रैली निकालकर खुशी का इजहार किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चेतन धुंधारिया (जिला अध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा, भाजपा), गणेश बासनीवाल (अध्यक्ष, देवी नगर मंडल), कालूराम शर्मा (अध्यक्ष, करणी विहार मंडल) एवं भगवान सहाय कुमावत (उपाध्यक्ष, करणी विहार मंडल) उपस्थित रहे। विद्यालय निदेशक कैलाश चंद कुमावत एवं प्रधानाध्यापिका रोहिणी कुमावत ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया तथा हरी झंडी दिखाकर विजय रैली को रवाना किया।

भंदे बालाजी विवाह समिति के पन्नालाल सिरस्वा अध्यक्ष बने

कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति भंदे बालाजी, उगरियावास जयपुर, राजस्थान के चुनाव में सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद पर श्री पन्नालाल सिरसवा अध्यक्ष, भँवर लाल मामोडिया महामंत्री तथा भीवाराम दम्बीवाल कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। नवीन कार्यकारिणी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं।

डॉ. गरिमा कुमावत संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र में वरिष्ठ फेलो पर नियुक्त

वरिष्ठ शिक्षाविद एवं भामाशाह श्री एस.एन. खोवाल की सुपुत्री एवं श्री अनिल जी भाटीवाल (ICAS वित्त मंत्रालय भारत सरकार) की पत्नी डॉ. गरिमा कुमावत, निवासी सवाई माधोपुर का चयन प्रतिष्ठित संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र (CENJOWS, नई दिल्ली) में वरिष्ठ फेलो के रूप में हुआ है।

यह उपलब्धि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ. गरिमा की यह सफलता उनके अथक परिश्रम, समर्पण, विद्वता और उच्च सोच का परिणाम है। आपने अपने ज्ञान और कर्म से यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और लगन से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इनकी यह उपलब्धि विशेष रूप से बेटियों को आगे बढ़ने का साहस और प्रेरणा देगी। हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

स्पेशल बादाम मिल्क शेक

गर्मियों का मौसम आते ही शरीर को ठंडक, उर्जा और पोषण की जरूरत होती है। ऐसे में बादाम शेक एक बेहतरीन पेय है। जो स्वाद के साथ-साथ ताकत भी देता है। इसे बनाना भी आसान है। और ये बच्चों से लेकर बडों तक सभी को पसन्द भी आता है।

बनाने की सामग्री : एक लीटर दूध (फुल फेट), आधा कप चीनी, भिगी हुई बादाम, एक बडा चम्मच कर्स्टड पाउडर वनिला, केसर 6-8 धागे, आधा कप कच्चा दूध, इलायची पाउडर 2 चुटकी, पिस्ता कतरन एक चम्मच, बादाम कतरन एक चम्मच, सजावट के लिए। ये मिल्क शेक सामग्री चार व्यक्तियों के लिए चार गिलास बन जायेगी।

बनाने की विधि: सबसे पहले गैस पर कढाई रखें उसमें थोडा सा पानी डालकर दूध को चमचे से हिलाते हुए उबालिये। दूध में उबाल आने पर गैस बन्द कर दीजिये। बादाम छिलकर मिक्सी में गाढा सा पेस्ट बनाईयें। बादाम के पेस्ट को दूध में डालिये। गैस को चालू कर 5-10 मिनट तक फिर से उबालिए।

कच्चे दूध में कर्स्टड पाउडर चम्मच से मिलाएं। अब इस मिश्रण को कढाई में डालें। कढाई में चीनी व इलायची डाले, केसर डालकर हिलाते हुए 5-7 मिनट तक दूध को उबालते रहें। दूध थोडा सा गाढ़ा हो जाये तो गैस बन्द कर दीजिए। अब ठण्डा होने पर उसे 3-4 घण्टे तक फिज में रख दीजिए।

अब मिल्क शेक को फिज से निकालकर, इसको गिलास में डालियें। बादाम व पिस्ता करतन डालकर ठण्डा ठण्डा सर्व करे।

- राजबाला कुमावत
48, रामद्वारा कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर।

जावा के प्रम्बनन से, काशी और रामेश्वरम तक : रुद्राक्ष की अद्भुत यात्रा

जब हम अपनी आँखें बंद करके '**ॐ नमः शिवाय**' का जाप करते हैं, तो हमें लगता है कि हमारे हाथ में मौजूद माला हिमालय से आई है। लेकिन सच थोड़ा अलग और बेहद रोचक है।

दुनिया भर में रुद्राक्ष का 70% से 75% उत्पादन अकेले इंडोनेशिया में होता है। वहां इसे 'जेनित्री' (Jenitri) कहा जाता है। हमारी 108 दानों वाली हल्की और सुडौल माला का सफर सात समंदर पार से शुरू होता है।

इंडोनेशिया के 'केबुमेन' (Kebumen) जिले की ज्वालामुखी वाली मिट्टी में उगने के बाद, टनों के हिसाब से ये रुद्राक्ष समुद्र के रास्ते कोलकाता और चेन्नई के बंदरगाहों (Ports) पर उतरते हैं।

सिर्फ काशी ही नहीं, तीनों दिशाओं में शिव का वास:

कोलकाता से निकलकर ये मनके भारत के तीन प्रमुख 'आध्यात्मिक केंद्रों' में बंट जाते हैं:

1. काशी (वाराणसी): यह उत्तर भारत का सबसे बड़ा 'संस्कार केंद्र' है। कच्चे मनके यहाँ आते हैं, साफ किए जाते हैं, तेल में डुबोए जाते हैं और फिर धागे में पिरोकर 'माला' का रूप लेते हैं। जो माला आप अयोध्या या मथुरा में खरीदते हैं, उसका निर्माण अक्सर काशी की गलियों में ही हुआ होता है।

2. हरिद्वार और ऋषिकेश: यहाँ से ये हिमालय की ओर जाने वाले यात्रियों और कांवड़ियों तक पहुँचते हैं।

3. रामेश्वरम और मदुरै: चेन्नई के रास्ते ये दक्षिण भारत के मंदिरों में पहुँचते हैं।

एक धागा जो दो प्राचीन सभ्यताओं को जोड़ता है

यह व्यापार से बढ़कर एक 'दैवीय संयोग' है। जिस जावा द्वीप से ये आते हैं, वहां 9वीं सदी का विशाल 'प्रम्बनन मंदिर' (Prambanan Temple) खड़ा है। वहां की हवाओं में आज भी शिव का वास है। प्रकृति का नियम देखिये, रुद्राक्ष का जन्म शिव के प्राचीन घर (प्रम्बनन, इंडोनेशिया) में होता है, लेकिन उसे 'प्राण' और 'पहचान' भारत के ज्योतिर्लिंगों (काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम) की छाया में मिलती है।

नेपाली बनाम इंडोनेशियन रूद्राक्ष : नेपाल में भी रूद्राक्ष होते हैं पर नेपाली मनके भारी और महंगे होते हैं (यदि एक दाना पहनना हो तो उपयोग होता है), जबकि इंडोनेशियन मनके हल्के और छोटे होते हैं, इसीलिए 90% जप की मालाएं इंडोनेशियन होती हैं।

जब माला फेरें, याद रखिएगा, यह माला एशिया के महान शिव-धामों को जोड़ने वाला एक पवित्र सेतु (Bridge) है।

हर हर महादेव!

संकलन : कुमावत इंडिया पत्रिका टीम

शादियों से दूरी बनाते युवा

एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार अगले छः वर्षो में विश्व की लगभग 45% लड़कियां अविवाहित रह जाएंगी। यह रिपोर्ट 1 फरवरी 2025 को प्रकाशित लोकमत अखबार में छपी थी, जो मार्गन स्टेनली संस्था द्वारा किए गए एक विस्तृत अध्ययन पर आधारित हैं।

सर्वेक्षण में पाये गए प्रमुख कारण निम्न प्रकार है:

1. आज लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है और करियर को प्राथमिकता दे रही हैं।
2. वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है और किसी पर निर्भर रहना नहीं चाहती।
3. उन्हें स्वतंत्रता प्रिय है और वे अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेना चाहती हैं।
4. विवाह, मातृत्व और पारिवारिक बंधनों को वे अक्सर अपनी प्रगति में बाधा मानने लगी हैं।
5. यदि यह प्रवृति बनी रही तो पारंपरिक परिवार प्रणाली और सामाजिक संरचना बिखर सकती हैं।
6. जनसंख्या में गिरावट, कुंवारे लड़कों की संख्या में वृद्धि और वृद्धावस्था में अकेलेपन की समस्याएँ सामने आ सकती हैं।
7. प्रश्न यह भी उठता है प्रगति, पद और पैसा किस काम आएंगे, जब जीवन के अंत में साथ देने वाला कोई न होगा?

अनेक माता-पिता अपनी लड़कियों के रिश्ते ढूंढ रहे हैं, पर लड़की को विवाह में रूचि नहीं होती। जिसके कारण हर रिश्ता नकारा जा रहा है। समाज के एक बड़े वर्ग को इस बदलाव की गंभीरता अभी मालूम नहीं है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम समय रहते चेत जाये।

लड़कियों का विवाह 23 से 26 आयु के बीच हो। इसके लिए सामूहिक स्तर पर जागरूकता ओर पहल जरूरी है। यह विषय किसी के विरोध में नहीं, बल्कि भविष्य की चिंता के तहत उठाया गया है। समाज, परिवार और व्यक्तिगत जीवन तीनों को संतुलित रखना ही सच्ची प्रगति हैं। सभी को इस पर विचार करना चाहिए।

इसे भी जानिये-

- जब बच्चों का विवाह 20 साल में होता था, तो एक सदी में 5 पीढ़ियाँ होती थीं।
- जब बच्चों का विवाह 25 साल में होता था, तो एक सदी में 4 पीढ़ियाँ होती थी।
- अब बच्चों का विवाह 30 साल में होता है, तो एक सदी में 3 पीढ़ियाँ होती हैं।
- सोचने वाली बात है क्या हमारा समाज अगली सदी तक जीवित रहेगा?

आज एक अजीब सा अंधेरा फैल रहा है गली-मोहल्ले वीरान हैं, आस-पास के घर खाली हैं। आज घरों में बच्चों की आवाज कम पति-पत्नी की आवाज ज्यादा सुनाई देती है।

लड़कियाँ 30-35 साल तक कुंवारी हैं। लड़कों की शादी 35 साल के बाद भी नही हो रही हैं। देर से शादी फिर सम्बंध विच्छेद (तलाक) टूटते परिवार दुखी माँ-बाप।

माता-पिता अकेले व पूरी पीढ़ी खालीपन अनुभव करती है। क्या हम इसे 'पढ़ा-लिखा समाज' कहें या 'स्वयं को नुकसान पहुँचाने वाला समाज'।

यह तो जनसंख्या कम करने की एक खामोश साजिश है।इसकी शुरुआत हम दो हमारे दो से हुई है। और अब एक बच्चा ही अच्छा।

अगर 50 जोड़ों में सिर्फ़ एक बच्चा हो तो अगली पीढ़ी में सिर्फ़ नाममात्र के बच्चे होंगे।

अगर ऐसा ही चलता रहा, तो तीसरी पीढ़ी लगभग गायब हो जाएगी।

मोहल्ले/गलियाँ खाली पड़ी है। सब लोग रोड़ पर हैं। जीवन का आधा समय तो रोड़ पर ही बीत जाता है। गाँव के गाँव खत्म हो रहे हैं। शहरों में ऊँची इमारतें हैं, लेकिन संयुक्त परिवार प्रथा समाप्त हो गयी है।

नई बहुएं 'सिर्फ़ एक ही बच्चा' चाहती हैं। क्या यही हमारे पुरखों की विरासत है? सच तो यह है, कि बच्चे अब प्यार की निशानी नहीं रहे। बल्कि बच्चे एक मजबूरी है। सबसे बड़ी गलती तो लड़की के पिता की है।

जिस पिता ने 20-22 साल की उम्र में विवाह करके परिवार बसाया था अब वही पिता 30 साल की उम्र तक अपनी बेटी का विवाह न करके बहादुरी दिखा रहे हैं।

परिणाम : लड़के लड़कियाँ डिप्रेशन में जा रहे हैं। आज बच्चों का सही समय पर विवाह नहीं हो रहा है, और न सही समय पर कोई नौकरी मिल रही है। समाज धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। इस कारण बच्चे समाज के साथ नहीं अकेले रहना पसंद करते हैं। यानी एकल परिवार। यहाँ तक कि बच्चे भी नहीं चाहिए।

देर से शादी करना, देर से बच्चा करना, फिर एक बच्चे के बाद मेडिकल और लालन-पालन का बहाना करना। यह आम बात हो गई है. विवाह, परिवार, बच्चे इन सभी को बोझ समझा जा रहा है।

विवाह कोई दुनियावी बंधन नहीं यह घर परिवार और समाज स्तम्भ है। प्रजाति, सभ्यता और संस्कार को आगे बढ़ाने का एक तरीका है।

अब हम सब को समझने का समय आ गया है। बच्चों को 'हद से ज्यादा' आजादी दे कर हमने उनकी समझ छीन ली। विवाह

टलता रहा, और जब हुआ, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

फिर वही अकेलापन लड़के लड़कियों के लिए विवाह की सही उम्र लड़कों के लिए 25 साल से पहले लड़कियों की 20 साल से पहले।

वर्ना इतिहास लिखेगा 'वह हिंदू समाज, जिसने चुपचाप स्वयं को खत्म कर लिया.' सोचो और समझदारी दिखाओ। अपने बच्चों का विवाह समय पर कीजिये। क्योंकि परिवार नहीं बचा, तो समाज को भी देर सवेर ध्वस्त होते देर नहीं लगनी है।

यही कारण है ...डेविड सेलबॉर्न और बिल वार्नर जैसे लेखक यह कहने पर मजबूर हो जाते हैं , कि इस्लाम के मजबूत फैमिली सिस्टम की वजह से देर सवेर अधिकांश देशों व भारत में भी हिन्दू परिवार परम्परा का पतन होगा।

रक्त के 4 रिश्ते समाप्त होने की कगार पर हैं। ताऊ, चाचा, बुआ, मामा मौसी जैसे रिश्ते आने वाले समय में देखने-सुनने को नहीं मिलने वाले हैं।

सिंगल चाइल्ड फैमिली को उनका निर्णय तीसरी पीढ़ी याने जिनके आप दादा-दादी होंगे बुरी तरह प्रभावित करेगा। जिस दादा को मूल से अधिक ब्याज प्यारा होता है, उसका तो मूलधन भी समाप्त हो जाएगा। इसके लिए वह स्वयं उत्तरदायी है।

इसलिए दम्पत्ति को सिंगल चाइल्ड के निर्णय पर गंभीरता से विचार करना होगा। यह घटती आबादी के आँकड़े बोल रहे हैं।

यह विश्लेषण सरकारी आँकड़ों के अध्ययन से आ रहा है।

आपका पौत्र या प्रपौत्र इस संसार में अकेला खड़ा होगा। उसे अपने रक्त के रिश्ते की आवश्यकता होगी तो उसका कोई नहीं होगा। यह अत्यंत सोचनीय विषय है।

ये न केवल हमारे बच्चों को एकाकी जीवन जीने को मजबूर करेगा बल्कि हमारी हिंदू परिवार सभ्यता को ही नष्ट कर देगा।

हम जो हिन्दू एकता की बात करते हैं ये तो सभ्यता ही समाप्त हो जाएगी। और इन सबके लिए हमारी वर्तमान पीढ़ी उत्तरदायी होगी।

अगर आप इस विषय को गंभीर समझते हैं तो इस समस्या पर विचार करें, घर परिवार में, पति पत्नी के बीच, रिश्तेदारों में, दोस्तों में एवं विभिन्न बैठकों एवं आयोजनों में इस विषय पर मंत्रणा करें। अपनी सभ्यता, संस्कार और पीढ़ियों को बचाये।

साभार प्रतिलिपि

आध्यात्मिक

भगवान 'विधि' के नहीं, बल्कि 'भाव' के भूखे हैं

गोबर थापे जना जब, गाते विठ्ठल गीत।
छोडिए वैकुण्ठ के सुखों, जीते प्रेम की प्रीत।।

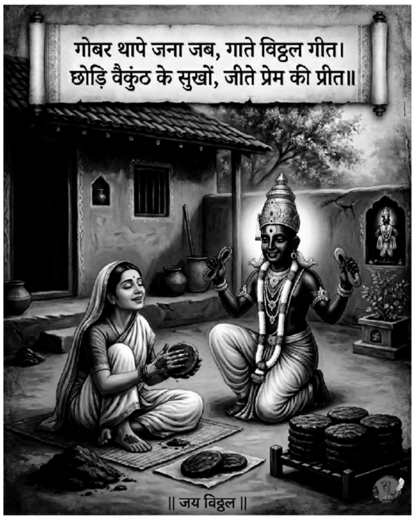

यह दोहा महाराष्ट्र की महान संत जनाबाई और उनके आराध्य भगवान विठ्ठल के अनन्य प्रेम का प्रतीक है। वे बचपन में ही अपने माता पिता से जानबुझ कर बिछड़ गयीं और पूर्णत: विठ्ठल के भरोसे हो गयीं , श्री विठ्ठल ने उनको साक्षात् दर्शन दिए और उनके साथ ही रहे हमेशा , एक बार जब जनाबाई के कंडे चोरी हो गए, तो उनकी पहचान इसी आधार पर हुई थी कि जिन कंडों को कान के पास ले जाने पर 'विठ्ठल-विठ्ठल' की ध्वनि आ रही थी, वे जनाबाई के थे। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि कार्य चाहे कितना भी छोटा (गोबर थापना) क्यों न हो, यदि उसे प्रभु के नाम के साथ जोड़ दिया जाए, तो वह 'परम सेवा' बन जाता है।

संत जनाबाई का जीवन 'विठ्ठल-नाम' में ऐसा रच-बस गया था कि वे जो भी कार्य करती थीं, उसमें पांडुरंग ही समाए होते थे। जब वे गोबर से कंडे (उपले) थापती थीं, तो उनके मुख से निरंतर विठ्ठल नाम का कीर्तन निकलता था। उनके इस नाम-जाप का प्रभाव इतना प्रचंड था कि उनके द्वारा थापे गए सूखे कंडों में से भी 'विठ्ठल-विठ्ठल' की गूँज सुनाई देती थी। यह सिद्ध करता है कि जब भक्ति गहरी होती है, तो जड़ वस्तुएँ भी चैतन्य हो उठती हैं।

भगवान विठ्ठल अपने भक्त की इस निश्छल सेवा और पुकार के ऐसे वश में थे कि वे वैकुंठ के समस्त सुखों, ऐश्वर्य और राजसी भोगों को छोड़कर जनाबाई के आँगन में आ जाते थे। वे जनाबाई के साथ बैठकर भजन गाते और कंडे थापने में उनकी मदद करते थे। यहाँ भगवान ने यह प्रमाणित किया कि वे 'विधि' के नहीं, बल्कि 'भाव' के भूखे हैं।

भूल सुधार

मार्च 2026 के अंक में पेज नं. 15 पर कुमावत समाज मालवीय नगर... न्यूज में लिपिकीय भूल से उपाध्यक्ष (महिला) श्रीमती माया घोड़ीवाल का नाम प्रकाशित होने से छूट गया था। इसे जोड़कर न्यूज पढ़ी जावे।

- सम्पादक

बधाई संदेश

इस माह 4 अप्रेल को कुमावत क्षत्रीय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर में नवनिर्वाचित समिति के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस बार के निर्वाचन की खास बात यह रही कि यह निर्विरोध था। मुझे भी समारोह में शामिल होने का सुअवसर मिला। यह मेरे अत्यन्त हर्ष व सौभाग्य की बात है। समिति द्वारा दिए गए आमंत्रण व सम्मान का मैं धन्यवाद करती हूँ तथा आशा करती हूँ कि जिस प्रकार यह समिति आज तक विकास के मार्ग पर आगे बढ़ती रही है, भविष्य में भी इसी प्रकार समाज का नाम रोशन करती रहेगी। कार्यक्रम में शिरकत के दौरान मुझे कई कड़वे मीठे अनुभव हुए। कुछ मेरे मन के भावों को छू गये तथा कुछ मन को आहत कर गये। सर्वप्रथम तो कार्यक्रम की व्यवस्था ने आनन्दित कर दिया। कार्यक्रम बहुत ही शान्तिपूर्वक व्यवस्थित रूप से सम्पादित किया गया। मैंने वहां मौजूद कार्यकारिणी सदस्यों, महिला शक्ति तथा छोटे-छोटे बच्चों को बड़े ही समर्पित भाव से शालीनता, सभ्यता व बड़ी खूबसूरती से सेवाभाव के साथ कार्यक्रम में सहयोग करते देखा। इतनी छोटी उम्र में बालकों में समाज के प्रति प्रेम निश्चित रूप से भावी पीढ़ी के आदर्श भाव को दर्शाता है। मैंने जितनी व्यवस्थित तैयारी मालवीय नगर समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रमों में देखी है, वह कहीं नहीं देखी। दूसरा दिल छू लेने वाला दृश्य वह भावभीना पल था जब दो भिन्न राजनैतिक दलों में कार्यशील व्यक्ति समाज के एक मंच पर एक साथ आसीन होकर समाज को एकता का संदेश देते हुए परस्पर एक-दूसरे का प्रोत्साहन बढ़ा रहे थे। वास्तव में जब हम समाज के सदस्य होने के नाते आपस में किसी मंच पर जुड़ते हैं तो हमारा समाज ही सर्वोपरी होता है। श्री चेतन कुमावत व श्रीमती भारती कुमावत का ह्रदय से धन्यवाद। जिन्होंने समाज को एक खूबसूरत संदेश दिया है कि जब प्राथमिकता की बात आती है तो समाज शिखर पर होता है। आप लोग समाज के साथ, इसीलिए समाज आपके साथ सदैव रहेगा। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे। सभी का स्वागत व सम्मान आदर पूर्ण भाव से किया गया। तत्पश्चात सभी ने दो शब्द कहकर अपने विचारों से अवगत कराया। श्री सी.एम. कुमावत ने समिति के गठन से अब तक के संघर्ष के बारे में बताया कि किस प्रकार समिति ने अपने अथक परिश्रम से आज यह प्रतिष्ठा प्राप्त की है। इसी क्रम में श्री नानू रामजी कुमावत ने समाज की बहुत जटिल व महत्वपूर्ण समस्याओं पर अपने विचार रखे। मैं पूर्णतया इनसे सहमत हूँ तथा समर्थन करते हुए समाज की शीर्ष संस्थाओं से पुन: निवेदन करती हूँ कि हमारे समाज के असंख्य युवा आज तलाक के कोर्ट केसों में उलझ कर अपना कीमती जीवन बर्बाद कर रहे हैं। आज के वातावरण में अनेक परिवार असफल विवाह संबंधों की समस्या से पीड़ित है। श्रीमान ने सभी कहा है कि समय में ऐसी संस्थाओं का निर्माण किया जाए तो स्वयं ही अपने स्तर पर इन मामलों का समाधान करें। संबंध विच्छेद के मामले समाज के स्तर पर ही सुलझाएं जाएं जिससे की पीड़ित परिवार सालों तक कोर्ट कचहरी के चक्करों में जन-धन की हानि व जीवन पर्यन्त मिलने वाली तकलीफों से निजात पा सकें। इन्होंने जिन मुद्दों पर बात की वे निश्चित रूप से विचारणीय विषय है।

हमारा समाज एक मेहनती समाज है फिर भी आज तक पिछड़े वर्ग में शामिल है। इसके दो कारण है पहला ये कि आज भी हमारे कई समाज बंधु पारम्परिक जुड़े हुए हैं। इनके जीवन यापन का साधन कारीगरी का कार्य है मगर अब कई जातियों व राज्यों से आकर लोगों ने यह कार्य प्रारम्भ कर दिया है। इससे हमारे समाज के लोगों के इस पारम्परिक रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। नतीजन उन्हें आर्थिक समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। हमारा यह दायित्व है कि हम गृहनिर्माण कार्यो के लिए अपने समाज के दक्ष कारीगरों को ही अवसर दें तथा उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनने का मौका दें। दूसरा सबसे महत्वपूर्ण व शोचनीय कारण है समाज का समाज के अहित में सोचना। जहां हमारे समाज में एक ओर आज भी इतने महान सेवक मौजूद हैं जो कि बिना किसी पद की लालसा के निस्वार्थ भाव से समाज की येन-केन प्रकारेण सेवा करने को सदैव तत्पर है। जिनका समर्पण भाव समाज से इतना गहरा हुआ है कि उनके सहयोग के बिना हम सफल क्रियान्वयन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। समाज उनका सदैव ऋणी रहेगा एवं उनकी छवि हमारे ह्रदय में अमिट रहेगी। इनमें रमेश जी गैदर जो मेरे पिता तुल्य व सदैव प्रेरणीय रहे हैं, इसका समाज व समिति के विकास में सराहनीय योगदान रहा है। इनका समाज के प्रति समर्पित भाव की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। लक्ष्मी नारायण जी घोड़ीवाल एक ऐसी शक्सियत है जिनका हाथ समिति के सिर पर पिता के आशीर्वाद की तरह सदैव रहा है। मेरा आप लोगों से अनुरोध है कि इसी प्रकार समिति व समाज के उत्थान और उत्तरोत्तर विकास में अपना आशीर्वाद प्रदान करते रहें।

दूसरी ओर समाज का एक तबका ऐसा भी है जो सदैव समाज के ऐसे लोग कर्मठ व्यक्तियों के कार्यो में बाधा बनते हैं। इससे समाज का अहित होता है। उनका उद्देश्य समाज के कार्यक्रमों को बिगड़ाना, माहौल खराब करना, समाज के विकास में रोडा अटकाना, अपने ओछे कृत्यों से समाज की छवि खराब करना व मन में अच्छे समाज सेवकों के प्रति ईर्ष्या व द्वेष का भाव रखना ही होता है। वे स्वयं ना कुछ कर पाते हैं ना ही दूसरों को करने देते हैं।

इनसे मेरा कहना है कि समाज की युवा पीढ़ी की प्रेरणा बने। अपने अनुभव व आशीर्वाद से उनका मार्गदर्शन करें ना कि उन्हें हतोत्साहित करें। समाज भी एक परिवार है। आपके बच्चे यदि आपकी जिम्मेदारियों को अपने कंधों पर लेकर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो कृपया सकारात्मक सोच के साथ उनका हौंसला बढ़ाए। सलाह देने में व छींटाकशी करने में बहुत अंतर होता है। आप **सामाजिक समारोहों को राजनीति का अखाड़ा मत बनाइये।** सामाजिक व्यवस्था का राजनीतिकण मत कीजिए वरना समाज द्वारा आपको बक्शा नहीं जाएगा। विचार विमर्श के और भी अवसर होते हैं। विकसित समाज की कल्पना तभी की जा सकती है जब हमारी सोच व संस्कार विकसित होंगे। यदि आप समाज के लिए कुछ कर नहीं सकते तो स्वयं को असामाजिक तत्वों की सूची में तो शामिल मत करिए। राजधानी की स्थिति इस संदर्भ में बहुत खराब है। छोटे-छोटे कस्बों में व गांवों में बहुत सादगी व आपसी सहयोग से कार्यक्रमों का आयोजन होता है। हालांकि वहां भी तर्क-वितर्क होते हैं, मतभेद होते हैं मगर मनभेद नहीं होते एवं राजनीति नहीं होती। एक बात और कहना चाहूंगी कि सदैव याद रखिए समाज के भवन व सम्पत्तियां समाज की धरोहर हैं किसी व्यक्ति या समूह विशेष निजी सम्पत्ति नहीं, इसलिए इन पर राजनीति की चालें ना चलें।

अंत में समिति को पुनः शुभकामनाएं देते हुए यही कहना चाहूंगी कि निडर होकर अपने दायित्वों को पूरा करें। हमारे समाज के लोग भोले मगर दूरदर्शी हैं अच्छाई व बुराई में अंतर को भली भांति जानते हैं। हम सभी की शुभकामनाएं सदैव आपके साथ है।

- उर्वशी बालोदिया

25 मई पर विशेष

गंगा दशहरा: पावन अवतरण और श्रद्धा का महापर्व

गंगा दशहरा हिंदू संस्कृति में एक अत्यंत पावन और आध्यात्मिक महत्व वाला उत्सव है। यह पर्व प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक ग्रंथों और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी शुभ दिन पतित-पावनी मां गंगा का स्वर्ग लोक से पृथ्वी पर आगमन हुआ था। यह केवल एक धार्मिक तिथि नहीं है, बल्कि यह उत्सव मनुष्य के पापों के प्रक्षालन और प्रकृति के प्रति हमारी अटूट श्रद्धा का प्रतीक है।

ऐतिहासिक और पौराणिक पृष्ठभूमि : गंगा के पृथ्वी पर आने की कथा महाराजा भगीरथ के अटूट संकल्प और तपस्या से जुड़ी है। कहा जाता है कि राजा सगर के साठ हजार पुत्रों को कपिल मुनि के श्राप से मुक्ति दिलाने के लिए उनके वंशज भगीरथ ने कठोर तप किया। उनकी प्रार्थना पर ब्रह्मा जी गंगा को पृथ्वी पर भेजने के लिए तैयार हुए, लेकिन गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसे सहन नहीं कर सकती थी। तब भगीरथ ने भगवान शिव की आराधना की। महादेव ने गंगा की उच्छृंखल लहरों को अपनी जटाओं में बांध लिया और फिर अत्यंत संयमित रूप से उन्हें पृथ्वी पर प्रवाहित किया। जिस दिन यह दिव्य घटना घटी, वह **ज्येष्ठ शुक्ल दशमी** का दिन था, जिसे आज हम गंगा दशहरा के रूप में मनाते हैं।

दस पापों का नाश (दशहरा) : 'दशहरा' शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'दस दोषों या पापों को हरने वाला'। ऐसी मान्यता है कि इस विशेष दिन गंगा नदी में स्नान करने से व्यक्ति के तीन प्रकार के कायिक (शारीरिक), चार प्रकार के वाचिक (वाणी द्वारा किए गए) और तीन प्रकार के मानसिक पाप नष्ट हो जाते हैं:

1. कायिक पाप: चोरी, हिंसा और पर-स्त्री गमन।

2. वाचिक पाप: कठोर वाणी, असत्य भाषण, चुगली और निरर्थक प्रलाप।

3. मानसिक पाप: दूसरों की संपत्ति की इच्छा, दूसरों का अहित सोचना और नास्तिकता या गलत हठ।

उत्सव की परंपरा और विधि : गंगा दशहरा के दिन श्रद्धालु सूर्योदय से पूर्व गंगा तट पर एकत्रित होते हैं। हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी (वाराणसी) और प्रयागराज में इस दिन का दृश्य विहंगम होता है। भक्त गंगा स्नान के पश्चात अर्घ्य देते हैं और मां गंगा की आरती करते हैं।

दान का महत्व: इस दिन दान का विशेष फल मिलता है। श्रद्धालु अपनी क्षमतानुसार अन्न, वस्त्र, स्वर्ण, फल या छाता दान करते हैं। विशेष रूप से 10 की संख्या में वस्तुओं का दान करना शुभ माना जाता है।

प्रसाद: भीषण गर्मी का समय होने के कारण भक्तों को सत्तू, मटका, और शीतल जल वितरित किया जाता है।

पर्यावरण और आध्यात्मिक संदेश : गंगा दशहरा हमें जल संरक्षण का संदेश भी देता है। गंगा भारतीय उपमहाद्वीप की जीवनरेखा है। वह केवल जल की धारा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र और हमारी सभ्यता की संवाहिका है। वर्तमान समय में, जब नदियाँ प्रदूषण की चपेट में हैं, गंगा दशहरा का यह पर्व हमें शपथ लेने के लिए प्रेरित करता है कि हम अपनी नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखेंगे। विशेषकर गंगा नदी का जल अनेक वर्षों तक भी पात्र में रखा हो तो भी खराब नहीं होता।

निष्कर्ष : अंततः, गंगा दशहरा श्रद्धा, कृतज्ञता और आत्म-शुद्धि का संगम है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जिस प्रकार भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए असंभव को संभव कर दिखाया, वैसे ही हमें भी अपने कर्मों की शुद्धि और लोक कल्याण के लिए समर्पित रहना चाहिए। मां गंगा की लहरें हमें पवित्रता और निरंतरता का पाठ पढ़ाती हैं। इसमें स्नान करने एवं गंगा नदी की पूजा, अर्चना व आरती करने पर पापों का नाश होने की मान्यता है।

''नमामि गंगे तव पाद पंकजम्'' - हे मां गंगे, आपके चरण कमलों में मेरा बारंबार प्रणाम है।

''माँ—वह कहानी, जो कभी पूरी नहीं होती''

माँ यह केवल एक शब्द नहीं है, यह वह एहसास है जिसे जितना समझने की कोशिश करो, उतना ही गहरा होता जाता है। जीवन में बहुत से रिश्ते आते हैं, कुछ समय के साथ बदल जाते हैं, कुछ दूर हो जाते हैं, पर माँ का रिश्ता ऐसा होता है जो समय, दूरी और परिस्थितियों से परे होता है। वह हमेशा वही रहती है—निस्वार्थ, स्थिर और हर परिस्थिति में हमारे साथ खड़ी।

जब हम छोटे होते हैं, तब हमें माँ का हर काम सामान्य लगता है। सुबह हमें जगाना, हमारे लिए भोजन बनाना, हमारी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखना—यह सब हमें एक दिनचर्या जैसा लगता है। हम कभी यह नहीं सोचते कि इसके पीछे कितनी मेहनत, कितना धैर्य और कितना प्रेम छुपा है। उस समय माँ हमारे लिए बस ''माँ'' होती है, एक ऐसी व्यक्ति जो हमेशा हमारे लिए उपलब्ध रहती है।

लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, जीवन की वास्तविकताएँ सामने आने लगती हैं। जिम्मेदारियाँ बढ़ती हैं, संघर्ष बढ़ते हैं, और तब हमें धीरे-धीरे एहसास होता है कि जिस सहारे को हमने हमेशा सहज मान लिया था, वह कितना अनमोल था। माँ केवल हमारी जरूरतों को पूरा नहीं करती, वह हमें हर गिरावट से उठना सिखाती है, हर मुश्किल में मजबूत बने रहना सिखाती है और बिना शर्त प्रेम करना सिखाती है।

माँ का प्रेम शब्दों का मोहताज नहीं होता। वह अक्सर अपनी भावनाएँ व्यक्त नहीं करती, पर उसकी हर छोटी-सी चिंता, हर साधारण-सा प्रश्न—''खाना खाया?'', ''तुम ठीक हो ना?''—अपने भीतर एक गहरी संवेदना लिए होता है। वह हमारे चेहरे को देखकर हमारे मन की स्थिति समझ लेती है, बिना हमारे कुछ कहे। शायद यही कारण है कि माँ को समझने के लिए शब्दों की नहीं, भावनाओं की आवश्यकता होती है।

आज के समय में, जब जीवन की गति बहुत तेज हो गई है, हम अक्सर अपने ही संसार में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माँ के लिए समय निकालना भूल जाते हैं। और तभी एक दिन अचानक हमें याद आता है—आज **मदर्स डे** है।

हम तुरंत फोन उठाते हैं, एक संदेश लिखते हैं, एक तस्वीर साझा करते हैं। पर क्या कभी सोचा है—क्या माँ के लिए इतना ही काफी है? शायद नहीं।

मदर्स डे हमें यह याद दिलाने के लिए आता है कि जिस व्यक्ति ने हमें बिना किसी शर्त के इतना कुछ दिया, हम उसके लिए कितना समय निकालते हैं। यह दिन सिर्फ उत्सव नहीं है, यह एक छोटा-सा ठहराव है—जहाँ हम अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण इंसान की ओर वापस देखते हैं।

माँ कभी अपने लिए कुछ नहीं मांगती। वह अपनी खुशियों को भी हमारे नाम कर देती है। उसके लिए हमारी सफलता ही उसकी सबसे बड़ी खुशी होती है, और हमारी तकलीफ उसका सबसे बड़ा दुख। वह बिना किसी अपेक्षा के हमें सब कुछ देती है, और शायद यही उसकी सबसे बड़ी महानता है।

इस **मदर्स डे**, अगर सच में कुछ अलग करना है, तो किसी महंगे उपहार की जरूरत नहीं है। बस उसके पास बैठिए, बिना किसी जल्दबाजी एवं बिना किसी फोन के, और कहिए—

''माँ, आज आपकी बातें सुनते हैं।''

शायद वह ज्यादा कुछ नहीं कहेगी, पर उसकी आँखों में जो सुकून होगा, वही इस दिन का सबसे बड़ा उपहार होगा।

यदि माँ हमारे साथ है, तो हमें उसके साथ बिताए हर क्षण को संजोना चाहिए। और यदि वह हमारे पास नहीं है, तो उसकी स्मृतियों को अपने जीवन में जीवित रखना ही उसके प्रति सच्चा सम्मान है। क्योंकि माँ कहीं नहीं जाती, वह बस हमारे अंदर बस जाती है।

अंततः, माँ हमारे जीवन की वह आधारशिला है, जिस पर हमारा सम्पूर्ण अस्तित्व टिका हुआ है। वह हमारे जीवन की सबसे सच्ची, सबसे पवित्र और सबसे अनमोल धरोहर है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम उसे केवल एक संबंध के रूप में नहीं, बल्कि एक अमूल्य उपहार के रूप में समझें—एक ऐसा उपहार, जो हमें जीवन भर मिलता रहता है, बिना किसी शर्त के, बिना किसी सीमा के। **मदर्स डे केवल एक दिन है, पर माँ का महत्व हर दिन है।** इसलिए उसे केवल एक अवसर पर नहीं, बल्कि हर दिन महसूस करना और सम्मान देना ही सच्चा प्रेम है।

हर दिन माँ के नाम होना चाहिए,
एक दिन तो बस बहाना है।
माँ की मुस्कान में ही मेरी पूरी दुनिया बसती है।
आज जो हूँ, माँ की वजह से हूँ।
माँ—मेरी पहली दोस्त, मेरी सबसे बड़ी ताकत।

- सीमा कुमावत

12वीं सदी की पत्थर की मूर्ति जिसे **''मदर एंड चाइल्ड''** के नाम से जाना जाता है। यह मूर्ति भारत के खजुराहो की है, जिसे चंदेल वंश के दौरान बनाया गया था। यह एक कलात्मक चमत्कार है जो माँ के कोमल बंधन को दिखाता है। यह काम इमोशनल कनेक्शन पर ज़ोर देता है, जो पालन-पोषण और देखभाल का प्रतीक है।

विज्ञापन

KUMAWAT PUBLIC SCHOOL

PLAY GROUP TO CLASS 12TH ENGLISH MEDIUM

SUBJECT TOPPER 2025-26

ENGLISH

NANCY TILAWAT	98/100
NILAKSHI KANWAR	98/100
RIYA RATHORE	96/100
INDRA CHOUHAN	94/100
ANKIT KUMAWAT	93/100
PAWAN KUMAWAT	91/100
DEEPIKA CHOUHAN	91/100
SAUMYA DIXIT	90/100
AKSHA QURESHI	90/100
HIMANSHU GOYAL	89/100
SUMAN KANWAR	89/100
SHIVANGI ARYA	86/100
GANGA GHARTI	86/100
NADIYA	85/100
PAYAL DAS	84/100
GUNJAN VERMA	83/100
GAURI KANWAR	83/100
ISHIKA	78/100
SHIKHA DIXIT	78/100
DIVYANSHU KUMAWAT	77/100
RAJAT KUMAR DEEGWAL	76/100
SUHANA	75/100
HUSNARA	75/100
PRIYA MISHRA	75/100
SRISHTI SINGH	75/100
DHEERAJ SINGH	75/100
MOHIT VERMA	75/100

BUSINESS STUDIES

NILAKSHI KANWAR	98/100
INDRA CHOUHAN	94/100
RIYA RATHORE	91/100
MOHIT VERMA	79/100
NAITIK SINGH	67/100
SHANU SAIN	67/100

ECONOMICS

NILAKSHI KANWAR	94/100
SUMAN KANWAR	90/100
DEEPIKA CHOUHAN	86/100
SAUMYA DIXIT	86/100
RIYA RATHORE	76/100
DHEERAJ SINGH	68/100

ACCOUNTANCY

NILAKSHI KANWAR	96/100
INDRA CHOUHAN	87/100
RIYA RATHORE	78/100
MOHIT VERMA	67/100

MATHEMATICS

GUNJAN VERMA	100/100
ANKIT KUMAWAT	98/100
HIMANSHU GOYAL	98/100
RAJ KUMAR MAHAWAR	95/100
DIVYANSHU KUMAWAT	92/100
ISHIKA	89/100
SAMIKSHA DHANKA	84/100
HUSNARA	84/100
MO. SALMAN QURESHI	84/100
RAHUL	82/100
SUHANA	81/100
AKSHA QURESHI	77/100
SUHANA KOSAR	76/100
NADIYA	75/100
NEERAJ PANDEY	75/100
SHIKHA BHADORIYA	73/100

GEOGRAPHY

NANCY TILAWAT	98/100
DEEPIKA CHOUHAN	95/100
GAURI KANWAR	95/100
SAUMYA DIXIT	95/100
GANGA GHARTI	93/100
PAYAL KUMARI	90/100
SUMAN KANWAR	90/100
PAYAL DAS	89/100
KUSUM KUMAWAT	85/100
RAKESH BAIRWA	77/100
PRIYANKA DABI	75/100
DHEERAJ SINGH	73/100
PRATEEK RUNIWAL	70/100
HARISH KUMAR	66/100
ADITYA KUMAR MEHTO	65/100

COMPUTER SCIENCE

DEEPIKA CHOUHAN	96/100
INDRA CHOUHAN	95/100
SAUMYA DIXIT	94/100
DHEERAJ SINGH	92/100
NIKHIL BADOLIYA	86/100
MOHIT VERMA	85/100
RAKESH BAIRWA	80/100
NAITIK SINGH	79/100
HARISH KUMAR	77/100
DIVYA JAJORIYA	76/100
MANISH MEENA	73/100
PRATEEK RUNIWAL	73/100
JANVI YADAV	68/100

CHEMISTRY

HIMANSHU GOYAL	86/100
ANKIT KUMAWAT	83/100
PAWAN KUMAWAT	79/100
GUNJAN VERMA	79/100
RAJ KUMAR MAHAWAR	77/100
NEERAJ PANDEY	77/100
MANSI MAHAWAR	74/100
MO SALMAN QURESHI	70/100
SRISHTI SINGH	69/100
VISHAL	69/100
RAJAT KUMAR DEEGWAL	67/100
SAKSHI TANWAR	64/100

DRAWING

GANGA GHARTI	95/100
GAURI KANWAR	93/100
KUSUM KUMAWAT	91/100
PAYAL DAS	91/100
PRIYANKA DABI	86/100
NAKUL KATARIA	85/100
GAURAV KUMAR RANA	83/100
ADITYA KUMAR MEHTO	82/100
ROHIT SINGH NATHAWAT	81/100
SAURABH BURMAN	81/100

POLITICAL SCIENCE

NANCY TILAWAT	96/100
SUMAN KANWAR	84/100
GAURI KANWAR	79/100
GANGA GHARTI	78/100
RAKESH BAIRWA	76/100
PAYAL DAS	71/100
PAYAL KUMARI	69/100
PRATEEK RUNIWAL	68/100

BIOLOGY

PAWAN KUMAWAT	85/100
MANSI MAHAWAR	69/100
SHIVANGI ARYA	62/100
SRISHTI SINGH	60/100

PHYSICS

ANKIT KUMAWAT	81/100
HIMANSHU GOYAL	72/100
PAWAN KUMAWAT	68/100
RAJ KUMAR MAHAWAR	68/100

HINDI

DIVYANSHU KUMAWAT	98/100
SHIKHA BHADORIYA	96/100
SAMIKSHA DHANKA	95/100
SUHANA	94/100
NADIYA	93/100
VANSH SHARMA	93/100
PRIYA KUMARI	92/100
HUSNARA	92/100
PAYAL SINGH RAWANI	91/100
RAHUL	91/100
VISHAL KUMAR	91/100
NANCY TILAWAT	91/100
DIKSHA KUMARI	90/100
AKSHA QURESHI	89/100
ISHWAR SINGH	89/100
KARISHMA CHAHILA	89/100
SUHANA KOSAR	89/100
GOURI KANWAR	89/100
MANISH YADUVANSHI	88/100
SAKSHI DHANKA	88/100
SHIKHA DIXIT	87/100
GANGA GHARTI	86/100
HARENDRA KUMAR	85/100
SHAGUN MEENA	85/100
KASHISH SINGH RATORE	85/100
SUMAN KANWAR	85/100
ALFAIZ QURESHI	84/100
FIROZ MANSURI	84/100
SACHIN KUMAR SHARMA	83/100
ISHIKA	83/100
SIMRAN GHARTI	83/100
GUNJAN VERMA	82/100
CHANDAN KUMAR DABI	81/100
ANISHA BAGDI	80/100
NILAKSHI KANWAR	80/100
SANA	79/100
ALIYA ABBAS	78/100
AYAN	78/100
KANISHKA VERMA	78/100
KUSUM KUMAWAT	78/100
HIMANSHU GOYAL	78/100
ESHA	77/100
PRIYA MISHRA	77/100
GAURI KANWAR	77/100
PAWAN KUMAWAT	77/100
DEEPIKA CHOUHAN	75/100
MANSI MAHAWAR	75/100

SANSKRIT

SUHANA	94/100
SAMIKSHA DHANKA	92/100
AKSHA QURESHI	90/100
SHIKHA BHADORIYA	87/100
VASUDEV	83/100
PRIYA KUMARI	79/100
SHIKHA DIXIT	78/100
PAYAL SINGH RAWANI	77/100
ISHIKA	77/100
VANSH SHARMA	73/100
SIMRAN GHARTI	72/100
RAHUL	71/100
ALFAIZ QURESHI	70/100
MANISH YADUVANSHI	70/100

SCIENCE

DIVYANSHU KUMAWAT	97/100
SAMIKSHA DHANKA	92/100
SUHANA	91/100
ISHIKA	91/100
SUHANA KOSAR	89/100
VANSH SHARMA	83/100
AKSHA QURESHI	82/100
HUSNARA	82/100
NADIYA	81/100
SAKSHI DHANKA	80/100
PRIYA KUMARI	78/100
SHAGUN MEENA	76/100
PRIYA MISHRA	75/100
PAYAL SINGH RAWANI	73/100
SHIKHA BHADORIYA	73/100
RAHUL	72/100

SOCIAL STUDIES

NADIYA	90/100
SAMIKSHA DHANKA	89/100
DIVYANSHU KUMAWAT	89/100
SUHANA KOSAR	88/100
AKSHA QURESHI	87/100
SUHANA	86/100
BHUMIKA	84/100
SHIKHA DIXIT	84/100
VANSH SHARMA	84/100
PRIYA KUMARI	81/100
GOURI KANWAR	80/100
KASHISH SINGH RATHORE	79/100
KARISHMA CHAHILA	78/100
ISHWAR SINGH	77/100
ISHIKA	77/100
PAYAL SINGH RAWANI	76/100
SIMRAN GHARTI	76/100
HUSNARA	73/100
PRIYA MISHRA	73/100
SAKSHI DHANKA	72/100
VARUN SAINI	72/100
VISHAL KUMAR	70/100

ADMISSION OPEN

KUMAWAT PUBLIC SCHOOL

KUMAWAT PUBLIC SEC. SCHOOL
JAIPUR
Seek in Wisdom

Play Group to Class 12th (Arts, Commerce, Science)

RBSE EXAM RESULTS 100%
SESSION 2025-26

CONGRATULATIONS OUR RISING STARS

NANCY TILAWAT
95%

NILAKSHI KANWAR
94%

ADMISSION OPEN

KUMAWAT PUBLIC SCHOOL

KUMAWAT PUBLIC SEC. SCHOOL JAIPUR
Seek in Wisdom

Play Group to Class 12th (Arts, Commerce, Science)

CELEBRATIONS & SPECIAL MOMENTS AFTER BOARD RESULTS 2025-26

Opp. ESIC Hospital sodala, Jaipur 302006, Mob. No. - 9928839006, 9461287858

श्रद्धांजलि

चतुर्थ पुण्यतिथि 21 अप्रेल 2026

स्वर्गवास 21.04.2022

स्व. श्री चन्द्र प्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपूरित
श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : गौरव अजमेरा-मीनू अजमेरा

पुत्री-दामाद : उर्वशी-राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश

पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर
मो. 9829488824

श्रद्धा सुमन

नवम् पुण्यतिथि 7 मई 2026

स्व. श्री भंवरसिंह वर्मा (भदाणियाँ)

सहायक नगर नियोजक (सेवानिवृत्त) जयपुर

पुत्र स्व. श्रीमती छुट्टन देवी एवं स्व. श्री किस्तूरचन्द भदाणियाँ (उप वास्तुविद)

सुपौत्र स्व. श्रीमती गुलाब देवी एवं स्व. श्री रामसहाय मिस्त्री

आप हमारे प्रेरणास्रोत व मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे हृदय में रहेंगे।

श्रद्धानवत् श्रीमती भंवरी देवी (पत्नी)

उमराव सिंह-प्रेमलता, अशोक-बीना (भ्राता-भ्रातावधु)

राजसिंह-सुनीता, सज्जनसिंह-तारा (पुत्र-पुत्रवधु)

निखिल (इंजीनियर)-रुचिका (इंटीरियर डिजाईनर) (पौत्र-पौत्रवधु),

अखिल (आर्किटेक्ट), नमन (पौत्र) एवं समस्त भदाणियाँ परिवार

फर्म : राजसिंह वर्मा - 9414238799 ● स्वास्तिक डायमण्ड - 9829611108

राज एसोसिएट्स - 9252195252 ● ड्रीम हाऊस मेकर्स - 9782649995

पता : 454, सुन्दर का बास, मिश्र राजाजी का रास्ता,जयपुर मो.: 9782996440

श्रद्धांजलि

स्व. श्री आनंदलाल जी कुमावत (रेणीवाल)

भूतपूर्व भारतीय वायुसेना अधिकारी

जन्म दि. 30.9.1935 प्रभुमिलन दि. 14.4.2021

स्व. श्रीमती शारदा देवी कुमावत (रेणीवाल)

जन्म दि. 3.8.1940 प्रभुमिलन दि. 26.4.2020

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्र वधू: डॉ. पी.एम. कुमावत-श्रीमती रेनू कुमावत, डॉ. डी.एम. कुमावत-श्रीमती विनिता कुमावत,

पौत्र : डॉ. पर्व कुमावत एवं लविश कुमावत,

पौत्री-दामाद : डॉ. पंखुरी कुमावत- डॉ. सुरेश शेनवी एवं डॉ. गीतांजली कुमावत-डॉ. नितीश माथुर, नाती : प्रथम शेनवी

बी-21/4, महानन्दा नगर, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

स्विट्जरलैंड के CERN में नटराज की मूर्ति : वैज्ञानिकों ने तांडव को परमाणु की उत्पत्ति से जोड़ा

CERN (European Organization for Nuclear Research) की प्रयोगशाला में भगवान शिव के नटराज स्वरूप की प्रतिमा लगी हुई है, जो वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। भगवान शिव की पूजा धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन विज्ञान में भी इसका खास महत्व है।

ऑस्ट्रियन मूल के अमेरिकी भौतिकी वैज्ञानिक और दार्शनिक 'फ्रिटजॉफ कैपरा' ने शिव के तांडव नृत्य को परमाणु कणों की उत्पत्ति और विनाश से जोड़ा है। कैपरा ने 1972 में 'Main Currents in Modern Thought' में 'The Dance of Shiva' लेख लिखा, और बाद में यह विचार उनकी किताब "The Tao of Physics" (1975) में प्रमुखता से आया।

18 जून 2004 को जेनेवा स्थित CERN में "2 मीटर ऊंची" नटराज की कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह मूर्ति भारत सरकार की ओर से CERN को उपहार थी, जो भारत और CERN के बीच 1960 के दशक से चले आ रहे लंबे सहयोग का जश्न मनाने के लिए दी गई थी। मूर्ति के पास कैपरा के उद्धरण भी अंकित हैं, जो शिव के नृत्य को सूक्ष्म कणों के 'कॉस्मिक डांस' से जोड़ते हैं।

1. शिव के तांडव में छिपा विज्ञान : शिव के नृत्य के दो मुख्य रूप: लास्य (कोमल) और तांडव (उग्र)। तांडव सृजन और विनाश के चक्र का प्रतीक है।

कैपरा के अनुसार, यह ब्रह्मांड में मूल कणों के निरंतर उतार-चढ़ाव को दर्शाता है।

CERN के बाहर लगी मूर्ति में: पीछे का चक्र ब्रह्मांड, डमरू नए कणों की उत्पत्ति, अग्नि पुराने कणों का विनाश, अभय मुद्रा सुरक्षा तथा वरद मुद्रा = आशीर्वाद का प्रतीक है।

2. पूजन सामग्रीः जल, दूध, दही, शहद और फूल : उज्जैन के धर्म विज्ञान शोध संस्थान के शोध के अनुसार, शिवलिंग और न्यूक्लियर रिएक्टर में समानताएं हैं, ऊर्जा को नियंत्रित करने के लिए जल चढ़ाया जाता है।

बिल्वपत्र और मदार फूल गर्मी संतुलित करते हैं। दूध, दही व शहद एक 'कवच' बनाते हैं। ये दावे संस्थान के शोध पर आधारित हैं।

3. बिल्वपत्र से गर्मी नियंत्रण : बिल्वपत्र में टैनिन, लोहा, कैल्शियम आदि की शीतल तासीर, शरीर की गर्मी कंट्रोल रखती है तथा आंखों व पेट के लिए फायदेमंद है।

4. रुद्राक्ष में छिपा विज्ञान : रुद्राक्ष नर्वस सिस्टम दुरुस्त रखता है, ब्लड प्रेशर व कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल तथा हृदय रोगों का जोखिम कम करता है।

है ना साइंस और आध्यात्मिकता का अनोखा मिलन!

1 जून : विश्व अभिभावक दिवस पर विशेष

बड़े-बुजुर्ग हमारे संरक्षक व मार्गदर्शक

एक विशाल पेड़ पर अनेक हंस रहते थे। उनमें एक बहुत बुजुर्ग, बुद्धिमान और बहुत दूरदर्शी था। सब उसे आदर से ताऊ कहकर बुलाते थे। एक दिन उसने एक नन्ही-सी बेल को पेड़ के तने पर बहुत नीचे लिपटते पाया। ताऊ ने दूसरे हंसों को बुलाकर कहा देखो, इस बेल को नष्ट कर दो। एक दिन यह बेल हम सबको मौत के मुंह में ले जाएगी। एक युवा हंस हंसते हुए बोला, ताऊ, यह छोटी-सी बेल हमें कैसे मौत के मुंह में ले जाएगी? सयाने हंस ने समझाया, आज यह तुम्हें छोटी-सी लग रही है। धीरे-धीरे यह पेड़ के सारे तने को लपेटा मारकर ऊपर तक आएगी। फिर बेल का तना मोटा होने लगेगा और पेड़ से चिपक जाएगा, तब नीचे से ऊपर तक पेड़ पर चढ़ने के लिए सीढ़ी बन जाएगी। कोई भी शिकारी सीढ़ी के सहारे चढ़कर हम तक पहुंच जाएगा और हम मारे जाएंगे। दूसरे हंस को यकीन न आया, एक छोटी-सी बेल कैसे सीढ़ी बनेगी? तीसरा हंस बोला, ताऊ, तू तो एक छोटी-सी बेल को खींचकर ज्यादा ही लंबा कर रहा है। एक हंस बड़बड़ाया, यह ताऊ अपनी अक्ल का रौब डालने के लिए अंट-शंट कहानी बना रहा है। इस प्रकार किसी दूसरे हंस ने ताऊ की बात को गंभीरता से नहीं लिया। इतनी दूर तक देख पाने की उनमें अक्ल कहां थी? समय बीतता रहा। बेल लिपटते-लिपटते ऊपर शाखाओं तक पहुंच गई। बेल का तना मोटा होना शुरू हुआ और सचमुच ही पेड़ के तने पर सीढ़ी बन गई। जिस पर आसानी से चढ़ा जा सकता था। सबको ताऊ की बात की सच्चाई सामने नजर आने लगी। पर अब कुछ नहीं किया जा सकता था क्योंकि बेल इतनी मजबूत हो गई थी कि उसे नष्ट करना हंसों के बस की बात नहीं थी। एक दिन जब सब हंस दाना चुगने बाहर गए हुए थे तब एक बहेलिया उधर आ निकला। पेड़ पर बनी सीढ़ी को देखते ही उसने पेड़ पर चढ़कर जाल बिछाया और चला गया। सांझ को सारे हंस लौट आए और जब पेड़ पर उतरे तो बहेलिए के जाल में बुरी तरह फंस गए। जब वे जाल में फंस गए और फड़फड़ाने लगे, तब उन्हें ताऊ की बुद्धिमानी और दूरदर्शिता का पता लगा। सब ताऊ की बात न मानने के लिए लज्जित थे और अपने आपको कोस रहे थे। ताऊ सबसे रुष्ट था और चुप बैठा

था। एक हंस ने हिम्मत करके कहा, ताऊ, हम मूर्ख हैं, लेकिन अब हमसे मुंह मत फेरो। दूसरा हंस बोला, इस संकट से निकालने की तरकीब तू ही हमें बता सकता हैं। आगे हम तेरी कोई बात नहीं टालेंगे। सभी हंसों ने हामी भरी तब ताऊ ने उन्हें बताया, मेरी बात ध्यान से सुनो। सुबह जब बहेलिया आएगा, तब मुर्दा होने का नाटक करना। बहेलिया तुम्हें मुर्दा समझकर जाल से निकालकर जमीन पर रखता जाएगा। वहां भी मरे समान पड़े रहना। जैसे ही वह अन्तिम हंस को नीचे रखेगा, मैं सीटी बजाऊंगा। मेरी सीटी सुनते ही सब उड़ जाना। सुबह बहेलिया आया। हंसों ने वैसा ही किया, जैसा ताऊ ने समझाया था। सचमुच बहेलिया हंसों को मुर्दा समझकर जमीन पर पटकता गया। सीटी की आवाज के साथ ही सारे हंस उड़ गए। बहेलिया अवाक होकर देखता रह गया।

वरिष्ठजन घर की धरोहर हैं, वे हमारे संरक्षक एवं मार्गदर्शक है। जिस तरह आंगन में पीपल का वृक्ष फल नहीं देता, परंतु छाया अवश्य देता है। उसी तरह हमारे घर के बुजुर्ग हमें भले ही आर्थिक रूप से सहयोग नहीं कर पाते है, परंतु उनसे हमें संस्कार एवं उनके अनुभव से कई बाते सीखने को मिलती है।

बड़े-बुजुर्ग परिवार की शान है वो कोई कूड़ा-करकट नहीं हैं, जिसे कि परिवार से बाहर निकाल फेंक दिया। अपने प्यार से रिश्तों को सींचने वाले इन बुजुगों को भी बच्चों से प्यार व सम्मान चाहिए अपमान व तिरस्कार नहीं। अपने बच्चों की खातिर अपना जीवन दाँव पर लगा चुके इन बुजुर्गों को अब अपनों के प्यार की जरूरत है। यदि हम इन्हें अपने परिवार में सम्मान एवं प्यार देंगे तो हम ही लाभान्वित होंगे। ऐसा न करने पर हम अपने हाथों अपने बच्चों को उस प्यार, संस्कार, आशीर्वाद व स्पर्श से वंचित कर रहे हैं, जो उनकी जिंदगी को सँवार सकता है। याद रखिए अन्य से भले ही प्यार मिल सकता है परंतु संस्कार, आशीर्वाद व दुआएँ नहीं। यह सब तो हमें माँ-बाप से ही मिलती हैं। **- अमिता कुमावत**

चाय दिवस 21 मई पर विशेष

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवसः संस्कृति, स्वाद और आजीविका का उत्सव

प्रत्येक वर्ष 21 मई को दुनिया भर में 'अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस' मनाया जाता है। चाय सिर्फ एक पेय नहीं है, बल्कि दुनिया के कई देशों के लिए एक संस्कृति, परंपरा और उनकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

इतिहास और उद्देश्य : संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर 2019 में 21 मई को अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस के रूप में नामित किया था। इससे पहले, भारत, श्रीलंका और वियतनाम जैसे चाय उत्पादक देशों में यह 15 दिसंबर को मनाया जाता था। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य चाय के उत्पादन और व्यापार के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन लाखों श्रमिकों और किसानों की स्थिति में सुधार करना है जो इस उद्योग से जुड़े हैं।

चाय का वैश्विक महत्व : चाय, पानी के बाद दुनिया में सबसे अधिक पिया जाने वाला पेय है। इसके महत्व को निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है:

आर्थिक आधारः चाय का उत्पादन लाखों परिवारों की आजीविका का मुख्य साधन है, विशेषकर विकासशील देशों में।

स्वास्थ्य लाभः चाय में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। विशेष रूप से ग्रीन टी और हर्बल टी मानसिक स्पष्टता और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करती हैं।

सांस्कृतिक विरासतः भारत में 'मसाला चाय' से लेकर चीन के पारंपरिक चाय समारोहों तक, चाय सामाजिक मेलजोल का प्रतीक है।

चाय उद्योग के सामने चुनौतियाँ : भले ही चाय की मांग वैश्विक है, लेकिन यह उद्योग कई संकटों से जूझ रहा है। जलवायु परिवर्तन चाय के उत्पादन को सबसे अधिक प्रभावित कर रहा है, जिससे फसलों की गुणवत्ता और मात्रा गिर रही है। इसके अलावा, चाय बागान श्रमिकों के लिए उचित मजदूरी और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करना आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

भारत में चाय की प्रासंगिकता : भारत दुनिया के सबसे बड़े चाय उत्पादकों और उपभोक्ताओं में से एक है। असम और दार्जिलिंग की चाय दुनिया भर में मशहूर है। भारत के लिए यह दिवस न केवल निर्यात बढ़ाने का अवसर है, बल्कि छोटे चाय उत्पादकों को सशक्त बनाने का एक मंच भी है। भारत में हर चौराहे, गली और मौहल्लों में गांवों में चौपाल पर चाय बनाने की स्टॉल मिल जायेगी तथा वहां चाय पीतें लोग भी वहां गोसिप और राजनैतिक चर्चायें करते देखे जा सकते हैं। शहरी क्षेत्रों में आजकल स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों में आईस टी, हर्बल टी, ग्रीन टी, मसाला टी, लेन ग्रास टी, व्हाईट टी, हुंजा टी आदि का चलन बढ़ रहा है।

निष्कर्ष : अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारे प्याले की वह गरमागरम चाय एक लंबी यात्रा तय करके आई है। इस दिन हमें उन हाथों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए जो इसे उगाते हैं और साथ ही चाय के उत्पादन में सतत विकास को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए।

तो इस अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर आइए, हम अपनी पसंदीदा चाय का आनंद लें और इसके पीछे की मेहनत और संस्कृति का सम्मान करें।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड हानिकारक, इससे बचना ही उपाय

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (UPFs) का प्रचलन आजकल ज्यादा है। बच्चे भी इसे पसंद करते हैं। पर ये खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से ठीक नहीं है। इसके नियमित सेवन के हानिकारक प्रभाव हो सकते हैं।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (UPFs) को अपनी डाइट से कम करने के लिए कुछ प्रभावी रणनीतियाँ अपनायी जा सकती है जैसे,

1. लेबल पढ़ना सीखें : UPFs को पहचानने का सबसे आसान तरीका है फूड लेबल देखना:

अगर सामग्री की सूची बहुत लंबी है और उसमें ऐसे नाम शामिल हैं जिन्हें आप पहचान नहीं पाते (जैसे: हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप, माल्टोडेक्सट्रिन, कृत्रिम रंग/स्वाद, या कई सारे पायसीकारक), तो वह उत्पाद शायद अल्ट्रा-प्रोसेस्ड है।

फोकस करें: उन उत्पादों को चुनें जिनमें पाँच से कम सामग्री हों और जिन्हें आप अपनी रसोई में पहचानते हों (जैसे: टमाटर, नमक, तेल, प्याज)।

2. किचन में बदलाव करें (स्वैप तकनीक)

UPFs के बजाय स्वस्थ विकल्प चुनें (होममेड/न्यूनतम प्रोसेस्ड): अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (UPF) स्वस्थ विकल्प (न्यूनतम प्रोसेस्ड)

पैक्ड ब्रेकफास्ट सीरियल्स (मीठे)	ओटमील (दलिया) या दलिया (बिना चीनी का) + ताजे फल और मेवे
पैक्ड बिस्किट/कुकीज	घर पर बनी कुकीज (कम चीनी के साथ) या मखाना।
फ्रूट जूस (डिब्बे वाला/ मीठा)	ताजे फलों का जूस या सादा पानी/ नींबू पानी।
पैक्ड ब्रेड/बर्गर/ बन्स	साबुत अनाज की ब्रेड (जिसमें फाइबर हो)।
इंस्टेंट नूडल्स/रेडी-टू-ईट मील्स	घर पर बनी दाल, सब्जी, रोटी (ताज़ा भोजन)।
चिप्स/पैक्ड स्नैक्स	भुना चना, मुरमुरे, सूखे मेवे (ड्राई फ्रूट्स), या घर पर बने पॉपकॉर्न।

3. तैयारी (Preparation) को प्राथमिकता दें

UPFs अक्सर सुविधा के कारण चुने जाते हैं। इस सुविधा को स्वस्थ विकल्पों से बदलें: जैसे-

- सप्ताह की शुरुआत में ही फल, सब्जियां काटकर या कुछ दालें भिगोकर तैयार रखें ताकि व्यस्त समय में आपको अल्ट्रा-प्रोसेस्ड स्नैक्स न लेने पड़ें।
- बाहर जाते समय या काम पर जाते समय घर का बना खाना या स्वस्थ स्नैक्स (जैसे फल, नट्स) हमेशा अपने साथ रखें।

4. पीने की आदतों पर ध्यान दें : कोल्ड ड्रिंक्स और मीठे पेय: मीठे सोडा, एनर्जी ड्रिंक्स, और मीठे पैक्ड जूस सबसे बड़े UPF स्रोतों में से हैं। इन्हें पानी, हर्बल चाय, या सादे छाछ/ लस्सी से बदलें।

5. धीमी शुरुआत करें : एकदम से सब कुछ न बदलें। छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें।

लक्ष्य SMART हो सफलता निश्चित

SMART शब्द में छिपा है सफलता का लक्ष्य। बस आपको इसके अनुरूप निश्चित लक्ष्य तय करने हैं। जानिये SMART शब्द के प्रत्येक Letter का अर्थ और सफलता प्राप्ति का रास्ता-

S : Special:- आप द्वारा जो लक्ष्य बनाए जाये वे Specific विशिष्ठ और निश्चित होने चाहिए। उदाहरणत: आप अभी 26 हजार रुपये महीने कमा रहे हैं तो आप निश्चित लक्ष्य जैसे प्रतिमाह 1 लाख रुपये कमाना बनाए और उसे प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करें।

M : Mesure:- आपके लक्ष्य व्यवहारिक रूप से मापने योग्य हों, जैसे 1 घण्टे में 6 किमी चलने का लक्ष्य बनाना।

A : Action:- आप जो लक्ष्य निश्चित करें उसे प्राप्त करने के लिए आपकी कार्ययोजना के अनुसार निरंतर बढ़ते रहें। चाहे चरणबद्ध कार्य करें।

R : Reality:- यदि आप वास्तव में बड़ा लक्ष्य लेकर शीघ्र अमीर होना चाहते हैं तो अपने माता-पिता का घर छोड़ना पड़े और बाहर जाकर कार्य करना पड़े तो अवश्य करें। हम जानते हैं कि बाहर जाकर जिसने लक्ष्य प्राप्ति हेतु संघर्ष किया वे सफल हुए हैं।

T : Time:- अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए समय निर्धारित करें। बिना समय निर्धारण के लक्ष्य तक पहुँचना मुश्किल होता है। इस निर्धारित समय का पूरा-पूरा उपयोग करें और जोखिम लेना हो तो ले लेवें। लक्ष्य और समय का तालमेल सफलता के लिए जरूरी होता है।

श्रीमद्भागवत की प्राचीन भविष्यवाणियाँ हुई पूरी

पाँच हजार वर्ष पूर्व रचित श्रीमद्भागवत में कलियुग के सामाजिक, धार्मिक और नैतिक पतन का सटीक वर्णन है, जो आज स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। आईये जानते हैं-

- **कलियुग के आठ प्रमुख ह्रास :** समय के साथ धर्म, सत्य, शौच (स्वच्छता), क्षमा, दया, आयु, शारीरिक बल और स्मरण शक्ति लगातार घटती जाती हैं। (श्रीमद्भागवत 12.2.1)
- **आयु में क्रमिक गिरावट :** सतयुग में आयु लाखों वर्ष, त्रेतायुग में दस हजार वर्ष, द्वापर में एक हजार वर्ष और कलियुग में अधिकतम सौ वर्ष, जो अब औसतन और भी कम हो रही है।
- **धर्म का पतन :** लोगों में धर्म के प्रति रुचि समाप्त हो रही है। मंदिर और गिरजाघर खाली हो रहे हैं या बंद किए जा रहे हैं।
- **धन को ही मानवीय मूल्य का आधार मानना :** कलियुग में व्यक्ति की प्रतिष्ठा, गुण और सामाजिक स्थान धन के आधार पर तय हो रही है, न कि चरित्र या आध्यात्मिक ज्ञान से। (वित्तमेव कलौ नृणाम् ङ्क श्रीमद्भागवत 12.2.2)
- **न्याय और धर्म बल पर आधारित :** न्याय, धर्म और निर्णय शक्ति या प्रभाव से तय होंगे। जिसके पास ताकत या पैसा है, वही सही माना जाएगा।
- **विवाह व्यवस्था का पतन :** विवाह क्षणिक आकर्षण पर आधारित होंगे, जिससे अस्थिरता, कलह और तलाक बढ़ेंगे। (दाम्पत्येऽभिरुचिहेतुः- श्रीमद्भागवत 12.2.3)
- **ब्राह्मणत्व और विद्वता का बाह्य प्रदर्शन :** जनेऊ, वाकपटुता और दिखावा ही विद्वता और साधुता का मापदंड बन गया है, वास्तविक आचरण गौण हो गया है।
- **गरीबों को न्याय नहीं मिलना :** निर्धन व्यक्ति को न्याय मिलना कठिन हो गया है, और जो चतुराई से बोल सकता है वही विद्वान माना जा रहा है। (श्रीमद्भागवत 12.2.4)
- **दिखावा ही पवित्रता :** बाहरी स्वच्छता, फैशन, केश-धारण और समझौते से होने वाले विवाह को ही सही माना जा रहा है। जबकि मंत्रोचार के साथ विवाह प्रक्रिया सम्पन्न करने में बोरियत महसूस की जा रही है।(श्रीमद्भागवत 12.2.5-6)
- **जीवन का उद्देश्य केवल पेट भरना :** जीवन का लक्ष्य उदर-पूर्ति तक सीमित है। परिवार का भरण-पोषण कर पाना ही बड़ी दक्षता माना जा रहा है। पूर्व में पशु-पक्षियों को भोजन-पानी देने की परम्परा क्षीण होती जा रही है।
- **राजनीति का पतन :** छल-कपट से वोट पाने वाला व्यक्ति शासक बन रहे हैं तथा शासक जनता का शोषण कर रहे हैं, जिससे लोग असहज महसूस कर रहे हैं। (श्रीमद्भागवत 12.2.8)
- **कलियुग दोषों का समुद्र है :** कलियुग इतने दोषों से भरा है कि उनसे स्वयं निकल पाना लगभग असंभव है।
- **एकमात्र समाधान :** इस युग में एक ही प्रभावी उपाय है — हरे कृष्ण महामंत्र का कीर्तन।

कीर्तनादेव कृष्णस्य मुक्तसंगः परं व्रजेत

कृष्ण नाम-संकीर्तन से कलियुग के प्रभाव से मुक्ति संभव है।

संकलन : कुमावत इंडिया टीम

वेदों में माता, पिता तथा गुरू ईश्वर तुल्य

श्रद्धा (Reverence) यानि तर्कविहीन दृढ़ विश्वास (Faith) करने का गुण जब जीवन में अवतरित होता है, तभी सही मायने में आध्यात्म का जीवन में शुभारम्भ होता है।

श्रद्धा को जीवन में उद्-भवित (Cultivate) कर श्रद्धा को आदत के रूप में अनुरक्षण (Maitain) करना ही हमारे आध्यात्मिक जीवन की प्रथम सीढ़ी की सफलता मानी गई है।

वेदों के अनुसार- ईश्वर सच्चिदानंदस्वरूप, निराकार, सर्वशक्तिमान, न्यायकारी, दयालु, अजन्मा, अनंत, निर्विकार, अनादि, अनुपम, सर्वाधार, सर्वेश्वर, सर्वव्यापक, सर्वान्तर्यामी, अजर, अमर, अभय, नित्य, पवित्र, और सृष्टिकर्ता है।

अत: तर्कविहीन दृढ़ विश्वास जिस पर कोई कर सकता है - वह है **ईश्वर।** यदि जीवन श्रद्धा के भाव को अन्तर्मन की गहराई में उतारना है और ताजीवन आदत के रूप में विकसित करना है तो ईश्वर पर श्रद्धा से ही संभव है।

ईश्वर के बाद इस लोक में मानव के लिए तर्कविहीन दृढ़ विश्वास यानि श्रद्धा रखने के वेदों में ईश्वर तुल्य माना है वह है - **माता, पिता तथा गुरू।**

यदि किसी ने उपरोक्त चारों यानि ईश्वर, माता, पिता तथा गुरू (जिनसे जीवन में समझ सीखते हैं) में श्रद्धा के भाव जाग्रत कर लिए हैं तो वह सच्चे अर्थ आध्यात्मिक जीवन जी रहें हैं।

रामचरितमानस में तुलसीदास जी ने भी कहा है -

तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ।।

तुलसीदासजी कहते हैं कि विद्या, विनय, ज्ञान (विवेक), साहस, कल्याणकारी कर्म एवम् सत्य भाषण - ये विपत्ति में साथ देने वाले गुण हैं - ये गुण एक भगवान के भरोसे से ही प्राप्त हो सकते हैं यानि एक ईश्वर पर श्रद्धा रखने से ही प्राप्त हो सकते हैं ।

-एस आर सिंघाटिया

विश्व साइकिल दिवस : स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए एक बेहतरीन पहल

विश्व साइकिल दिवस हर साल 3 जून को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अप्रैल 2018 में आधिकारिक तौर पर इस दिन की घोषणा की थी।

साइकिल एक सरल, सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन है, जो न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्याओं के बीच साइकिल का महत्व और भी बढ़ गया है।

साइकिल चलाने के प्रमुख लाभ :

साइकिल न केवल बचपन की यादों का हिस्सा है, बल्कि यह आज के दौर की कई समस्याओं का समाधान भी है:

- **शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य:** साइकिल चलाना एक बेहतरीन कार्डियो एक्सरसाइज है। यह हृदय रोगों, स्ट्रोक, मधुमेह और मोटापे के खतरे को कम करता है। इसके साथ ही, यह तनाव और अवसाद को कम कर मानसिक शांति प्रदान करता है।
- **पर्यावरण संरक्षण:** साइकिल चलाने से किसी भी प्रकार का हानिकारक उत्सर्जन नहीं होता। यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने में एक प्रभावी हथियार है।
- **आर्थिक बचत:** पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच साइकिल चलाना जेब पर बोझ नहीं डालता। इसका रखरखाव भी बेहद सस्ता है।
- **यातायात में सुगमता:** शहरों में बढ़ती ट्रैफिक एवं पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए साइकिल एक शानदार विकल्प है। यह कम जगह घेरती है और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी आसानी से निकल जाती है।

विश्व साइकिल दिवस का महत्व

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपनी फिटनेस पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। विश्व साइकिल दिवस हमें याद दिलाता है कि हम अपनी जीवनशैली में छोटा सा बदलाव करके एक बड़ा अंतर ला सकते हैं।

साइकिल चलाना केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि एक टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ाया गया कदम है।

कई देशों में इस दिन बड़े पैमाने पर साइकिल रैलियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। भारत में भी स्वास्थ्य मंत्रालय और खेल मंत्रालय द्वारा **'फिट इंडिया'** अभियान के तहत साइकिलिंग को प्रोत्साहित किया जाता है।

निष्कर्ष : विश्व साइकिल दिवस हमें यह संदेश देता है कि प्रगति का अर्थ केवल तेज रफ्तार वाली गाड़ियाँ ही नहीं हैं, बल्कि एक ऐसा विकास है जो मानव स्वास्थ्य और प्रकृति के अनुकूल हो। यदि हम छोटी दूरियों के लिए साइकिल का उपयोग करना शुरू करें, तो हम न केवल खुद को फिट रख पाएंगे, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और हरी-भरी धरती भी दे पाएंगे।

तो, इस 3 जून को चलिए एक संकल्प लेते हैं—**'अब से साइकिल चलाऐंगे, पर्यावरण बचायेंगे और स्वस्थ रहेंगे।'**

सनातन को समझना और उसकी गहराई का अनुमान लगाना भी आसान नहीं

महाराष्ट्र के सिंदखेड़ की मिट्टी से निकली यह मूर्ति देखकर मन में पहला भाव विस्मय का नहीं, नम्रता का आता है। लगता है,

सनातन को समझना तो दूर, उसकी गहराई का अनुमान लगाना भी आसान नहीं। इस प्राचीन शिल्प में भगवान विष्णु शेषशायी मुद्रा में हैं और उनके चरणों में माता लक्ष्मी विराजमान हैं— उनके पैर दबाती हुईं, बिना किसी प्रदर्शन के, बिना किसी आग्रह के।

यह दृश्य शक्ति और वैभव का नहीं, संतुलन और संबंध का है। जहाँ सृष्टि का पालनकर्ता विश्राम में है और समृद्धि की देवी उनकी सेवा में।

यह मूर्ति यह नहीं कहती कि कौन बड़ा है, यह बताती है कि सह-अस्तित्व क्या होता है। यहाँ न आदेश है, न अधिकार, सिर्फ अपनापन है।

खुदाई में मिली यह प्रतिमा याद दिलाती है कि हमारे पूर्वजों के लिए **धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं था, वह जीवन देखने की दृष्टि था।**

पत्थर में गढ़ी यह कथा हज़ारों साल बाद भी आज के मनुष्य से सवाल करती है— क्या हम अब भी संबंधों को इतना ही सहज और पवित्र देख पाते हैं ?, सनातन की असली शक्ति ऊँचे शब्दों में नहीं, ऐसे ही शांत दृश्यों में छिपी है— जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ समझा देते हैं।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर

विशिष्ट संरक्षक

वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छतीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/154 श्री महेश जोहरी, लालकोठी, जयपुर
वि/155 श्री सोभाग्य चंद्र कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/156 डॉ. डी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/157 श्री वीरेन्द्र सिंह तारकशी, लक्ष्मी आभूषण मंदिर, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

11 मार्च श्रीमती मुन्नी देवी (राधा देवी) पत्नी स्व. श्री रामदयाल देवतवाल, लालकोठी योजना, जयपुर
11 मार्च श्री पुखराज कुमावत (सारड़ीवाल), अर्जुन नगर, दुर्गापुरा, जयपुर
11 मार्च श्रीमती फूली देवी धर्मपत्नी स्व. श्री जगदीश दम्बीवाल, चन्द्र नगर, ए.बी. रोड, इन्दौर
12 मार्च श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी श्री नारायण लला मंडावरिया, रानौली, सीकर
13 मार्च श्री भूरा राम झून्झोदिया, बलूवालों की ढाणी, घाटवा
13 मार्च श्रीमती रामेश्वरी देवी धर्मपत्नी श्री रतनलाल बगरानिया, पुराना बस स्टेण्ड, नावां
14 मार्च श्रीमती प्रियंका धर्मपत्नी श्री विजय करोड़ीवाल, राजेड़ी
14 मार्च श्रीमती बसन्ती देवी धर्मपत्नी शहीद श्री नारायणलाल धमुनिया, गोविन्गढ़, चौमूं, जयपुर
20 मार्च श्री रामलाल पुत्र रामोवतार देवतवाल, चौमूं
23 मार्च मोतीलाल ब्याड़वाल, अशोकपुरा, सोडाला, जयपुर
24 मार्च श्रीमती किरण कुमावत पत्नी श्री परमानन्द नागा, दहमीकलां, बगरू
26 मार्च श्रीमती गीता देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रामस्वरूप मारोठिया, ब्यावर
26 मार्च श्रीमती गुलाब बाई धर्मपत्नी स्व. श्री चौथमल कुण लवाल, चांग गेट, ब्यावर
27 मार्च श्री चागेनमल बसवाल (कुमावत), दहमीकला, बगरू, जयपुर
27 मार्च श्री बाबूलाल बालोदिया, जयपुर
28 मार्च श्री गजानन्द कुमावत (मरोडिया), मानपुरा माचेड़ी, जयपुर
28 मार्च श्रीमती गुलाब बाई पत्नी स्व. श्री चाथमल कुमावत, ब्यावर
28 मार्च श्रीमती सजना देवी धर्मपत्नी स्व. श्री लादूराम दम्बीवाल, शिल्प कॉलेनी, झोटवाड़ा, जयपुर
30 मार्च श्रीमती नानूडी देवी धर्मपत्नी स्व. री बीजाराम कारगवाल, दहमीकलां, बगरू, जयपुर
30 मार्च श्रीमती कृष्णा कुमावत, सविता कॉलोनी, निम्बाहेडा
1 अप्रेल श्री संतोष कुमार कुदीवाल, कुमावत कॉलोनी, खातीपुरा, जयपुर
1 अप्रेल श्रीमती सोनी देवी अनावड़िया, रामकुटिया, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर
2 अप्रेल श्रीमती कमली देवी पत्नी श्री भगवान सहाय धुंधारिया, टोड़ी, जयपुर
3 अप्रेल श्री राधेलाल मारोठिया, मथुरा
3 अप्रेल श्रीमती गुलाब देवी पत्नी श्री हनुमान सहाय राजोरिया
5 अप्रेल श्री बाबूलाल कुमावत (सिरसवा) ठेकेदार, बाजणी तलाई, सांगानेर, जयपुर
6 अप्रेल श्री भागचन्द घोड़ेला, बालाजी विहार, सांभर बाईपास, फुलेरा
7 अप्रेल श्रीमती नर्बदा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मदनलाल बींवाल, चौमूं
13 अप्रेल श्री रामेश्वर लाल कुमावत (तुंदवाल), मुरलीपुरा, जयपुर
13 अप्रेल श्री गोविन्द कुमावत पुत्र स्व. श्री कैलाश चन्द सिंघाटिया, सांगानेर, जयपुर
16 अप्रेल श्री संजय कुमावत, पीपला भरतसिंह, जयपुर
18 अप्रेल श्री नंद किशोर कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
19 अप्रेल श्रीमती प्रेमदेवी पत्नी श्री जगदीश टांक, उदयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
आमेन्द्र	B.A., ITI.	Lab Technicion	8.2.98	5’7’’	बारावाल	घोड़ेला	जेठीवाल	धुंधारिया	8824401580	दांतारामगढ़
प्रवीण	BHM, BHMCT	Self Business	20.7.92	5’7’’	तूनवाल	मारोठिया	सिरस्वा	दम्बीवाल	7737914777	श्रीमाधोपुर
दीपक(विकलांग)	M.A. B.Ed.	LDC Govt School	4.8.91	5’11’’	घासोलिया	भोड़ीवाल	होदकास्या	गुरी	6378853302	चूरू
हर्ष	ITI,	Jaipur Nagar Nigam (Govt)	25.2.94	5’5’’	अनावड़िया	खारोलिया	सिरोहिया	सिंघनवाल	9529553565	सांगानेर
अंकित	B, Tech. (CS)	Developer	1.6.2000	5’11’’	लोहरवाडिया	भोरोदिय	मारोठिया	राहोरिया	9351443717	अलवर
हिमांशु	12th	Own work (Bakery shop)	18.2.97	5’2’’	मोरवाल	जलान्दरा	खोराणिया	खोवाल	6375148058	जयपुर
रवि	B. Com, ITI	Self Employed	29.11.95	5’11’’	कुलचाणिया	लोठया	मियाणा	खोवाल	9829641334	जयपुर
रक्षित	M.Tech.	JE, Boader Road Organ.	23.11.2000	5’11’’	सर्वा	घोड़ेला	ओस्तवाल	मोरवाल	9329967296	रतलाम
हिमांशु	-	Marble & Brass multi Busi	13.7.2000	5’6’’	दोराया	भेड़ीवाल	मारोठिया	तुंनगरिया	9828019926	जयपुर
जितेन्द्र	B.A.	Motarpart Distributor	10.7.97	5’10’’	कुलचाणिया	लोठया	मियाणा	खोवाल	9829641334	जयपुर
महेश	B. Tech.	Job Pvt Ltd.	25.4.99	5’8’	खोराणिया	दम्बीवाल	सिघडवाल	खूखवाल	9636294939	जयपुर
योगेश	M.Tech(MNIT)	Faculty in coaching	7.11.94	5’11’	भोड़्या	भोरोदिया	बसवाल	नागा	8058357334	जयपुर
अभीषेक	MBA (Finance)	Manager Pvt. Ltd.	1.4.96	5’6’’	ऊंटवाल	ब्राह्मण	–	–	8379940771	जलगांव
निखिल	B. Tech (EE)	Enginer (RVJ Infotech)	4.9.98	5’5’’	जलांधरा	खोवाल	घोड़ेला	कुदाल	9460722773	फुलेरा
अमित	B.Sc.	Supervisor ALU Pvt.Ltd.	12.1.98	5’8’’	मारवाल	घासोलिया	घोड़ेला	निरानिया	8952017576	झुंझुनूं
मनीष	MA	Accountant Pvt. Ltd.	27.9.94	5’5’’	बोरावर	चांदोरा	मावर	गोयल	9783104556	जयपुर
रोहित	B.Sc.(Nursing)	Nursing officer in AIIMS	30.10.95	5’6’’	घोड़ेला	धमुनिया	भुरोदिया	ब्याड़वाल	7742005883	सीकर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
पूजा	M.Com	Accountant	24.6.95	5’3’’	घोड़ेला	बेड़वाल	मारोठिया	मारवाल	9024158919	सीकर
रीतू	BA	Office work	2.12.97	5’5’’	घोड़ेला	रतीवाल	दम्बीवाल	नागा	7568583517	अजमेर
तनीषा	M.Com	Accountant	29.12.2002	--	मारवाल	अनावड़िया	बहरवाल	केलूगरिया	9166778180	ब्यावर
नेहा	M.Sc., B.Ed.	--	12.9.99	5’2’’	बबेरवाल	उमरवाल	मारवाल	आसीवाल	9887140092	अलवर
मीनू(तलाकशुदा)	10th	1 लड़की 9 वर्ष की	34 वर्ष	5’4’’	देवतवाल	मारवाल	सिरोहिया	बघानिया	8824275295	जयपुर
मनाली	MBA	--	12.11.98	5’3.5’’	तुनवाल	मारवाल	बबेरवाल	बालोदिया	9414466630	जयपुर
मेघा	--	Assti. FCI. (Govt.)	17.7.96	5’2’’	बोरावाल	मारोठिया	बड़ीवाल	बालोदिया	9887158178	जोबनेर
पूर्वी	M.Sc.	Stenographar	11.10.96	5’2’’	पलाड़िया	बेरा	सर्वा	अडानिया	7440320620	रतलाम
अर्चना	B.Sc.	SSA in EPFO, Channa	17.4.99	5’5’’	सोकिल	आईथान	मामोडिया	मारोठिया	9537142247	चौमूं
संगीता	M.Phed.	Govt. Teacher	10.7.95	5’4’’	मारोठिया	देवतवाल	नराणिया	बालोदिया	9782881083	सांभर
डॉ. मेघा	MBBS, MD	Medical officor CHC	18.8.94	5’3’’	नोखवाल	मलेटिया	नन्दीवाल	बिरथला	9214952286	गंगानगर
योगिता	M.Com., MBA	Prepration of RAS	11.7.95	4’9’’	घोड़ेला	मारवाल	निमीवाल	बेडवाल	9892438999	अंधेरी मुंबई
चारू	M.Sc.. B.Ed.	Home Tuition	5.4.98	5’0’’	खटवाल	भोड्या	मारवाल	तूंदवाल	9929055935	जयपुर
मीना	B.A., MA (Pre)	--	12.2.2000	5’4’’	जालवाल	कुण्डलवाल	सिरस्वा	मण्डावरा	9251560560	ब्यावर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी निःशुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mailÑkumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/69 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

कक्षा 12 में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

ऋषिता तूनवाल	रितिशा कुमावत	रिद्धिशा कुमावत	अर्पीत कुमावत	तन्वी कुमावत म.प्र.	भूमिका कुमावत	वंदना कुमारी
99.80	99.20	99.00	99.00	98.40	98.17	98.00

संदीप कुमावत	मोहित कुमावत	कल्पना कुमावत	ज्योति कुमावत	भावना कुमावत	डिंपल कुमावत	बसंती कुमावत
98.00	97.60	97.60	97.60	97.60	97.40	97.20

शिमला कुमावत	मोनिका कुमावत	सुमित कुमावत	हंसा कुमावत	इन्द्रा कुमावत	पलक कुमावत	किरण कुमावत
97.20	97.00	96.20	96.00	95.80	95.60	95.60

राधिका कुमावत	खुशबू कुमावत	दिशा कुमावत	स्नेहलता कुमावत	प्रवीण कुमावत	चित्रांश कुमावत	गजानन्द कुमावत
95.00	95.00	95.00	94.80	94.80	94.67	94.60

अजय कुमावत	जयश्री कुमावत	अनुष्का कुमावत	अंशु कुमावत	गार्गी कुमावत	तमन्ना कुमावत	लता कुमावत	मीनाक्षी कुमावत
94.40	93.20	93.20	93.00	92.80	92.40	92.20	91.80

प्रिया कुमावत	ममता कुमावत	सुमन कुमावत	सुनिता कुमावत	जय कुमावत	श्रवण कुमावत	पलक कुमावत	मनीष कुमावत
91.60	89.20	88.60	88.60	88.00	87.80	87.80	87.20

वीजेन्द्र कुमावत	रोहित कुमावत	मनीष कुमावत	शर्मिला कुमावत	टीना कुमावत	राजेश्वरी कुमावत	पलक कुमावत	महेन्द्र कमावत
87.00	85.40	85.00	84.60	83.00	82.80	82.40	80.00

कक्षा 10 में उत्तीर्ण हुए समाज के विद्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

लावन्य कुमावत	जयप्रकाश कुमावत	मानसी कुमावत	कृष्ण कुमावत	लावण्य कुमावत	विलीना	अर्जुन कुमावत	रविन्द्र कुमावत
99.00	98.83	98.50	98.33	98.33	98.17	98.00	98.00

शगुन कुमावत	तुषार कुमावत	अनुप्रिया कुमावत	लक्षीता कुमावत	नंदिता कुमावत	अंजलि कुमावत	आरती कुमावत	आशीष कुमावत
97.83	97.67	97.50	97.50	97.33	97.00	97.00	97.00

भावना कुमावत	भावना कुमावत	रोहिताश कुमावत	युवराज कुमावत	जतिन कुमावत	जयेश कुमावत	शिखा कुमावत	वंशिका कुमावत
97.00	96.67	96.33	96.33	96.17	96.00	96.00	95.83

हर्षिता कुमावत	मिताली कुमावत	सृष्टि कुमावत	राजूराम कुमावत	लक्ष्य कुमावत	शीतल	करन कुमावत	कृतिका कुमावत
95.80	95.67	95.67	95.50	95.33	95.33	95.19	95.00

बबीता कुमावत	डिंपल कुमावत	सोनम कुमावत	अंजली कुमावत	पीयूष कुमावत	खुशी कुमावत	शुभम कुमावत	जतिन कुमावत
94.83	94.33	94.33	94.00	94.00	93.50	93.50	93.17

सुरेन्द्र कुमावत	राजेश कुमावत	संरचना कुमावत	हेमल कुमावत	वंशिका कुमावत	तनु बालोदिया	भूमि कुमावत	प्रिया कुमावत
93.17	93.00	92.50	92.17	91.67	91.33	91.00	91.00

रमेश कुमावत	अशोक कुमावत	नीतेश कुमावत	वृतिका कुमावत	कृष्ण कुमावत	विनोद कुमावत	निशा कुमावत	निलेश कुमावत
90.50	90.33	90.00	90.00	88.67	87.00	82.00	81.00

OM PUBLIC SR. SEC. SCHOOL

AN ENGLISH MEDIUM CO-EDU. SCHOOL

51 Shiv Nagar, Heerapura Dhawas, Jaipur M.: 9214 517451, 7793094057, 8384 966 966

PG TO XII | ARTS | COMMERCE | SCIENCE

विद्यालय द्वारा टॉपर विद्यार्थियो को कम्प्यूटर देकर सम्मानित करते हुए

Heartiest *Congratulations*

XII^TH & X^TH TOPPERS 2026

97%

श्रुति भारद्वाज

94%

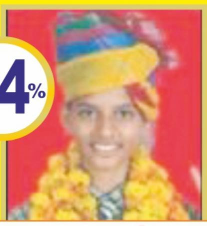

ज्योति जांगिड

94.6%

खुशी बैरवा

91.33%

तनु कुमावत

प्रधानाध्यापिका
रोहिणी बड़ीवाल

संचालक
ओमप्रकाश बड़ीवाल

संचालक
रितेश बड़ीवाल

संचालक
महेश बड़ीवाल

निदेशक
कैलाश बड़ीवाल

OM KIDS ACADEMY SCHOOL

Admission Open

PLAY GROUP TO X An English Medium *co-educational School*

164-166, Ekta Nagar, S-Block, Near Vidhansabha Nagar,
Dhawas, Ajmer Road- Jaipur M. 995099-1122, 902465-4556

Salient Features:-

- Affordable Fees Structure.
- Well trained teachers.
- Highly secured school.
- Open-air classrooms.
- Multimedia resource centre.
- Spacious indoor and outdoor play area.
- Appropriate child teacher ratio.
- Regular excursions & Picnics.

HEAD BRANCH OM PUBLIC SR. SEC. SCHOOL

(Hindi & English Medium)

51, Shiv Nagar, Heerapura, Ajmer road, Jaipur. M. 9214517451

Reg.COOP/2020/JAIPUR/200796

मानव जनकल्याण सेवा संस्थान

गुलाबी नगरी जयपुर में 7वाँ सर्व समाज निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

अमरचंद कुमावत
अध्यक्ष
मानव जनकल्याण सेवा संस्थान
मो.8696222999

अभिनव पहल - आप भी कर सकते है !

हमने सर्व सम्मति से निर्णय लिया कि सामूहिक विवाह में प्राप्त शेष सहयोग राशि तत्काल समस्त लाभान्वित जोड़ो को कन्यादान के रूप में प्रदान की जाकर एक अभिनव पहल की। आप सभी सामूहिक विवाह सम्मेलन करने वाले पदाधिकारियों से निवेदन है कि सामाजिक कार्यक्रमों में प्राप्त सहयोग राशि केवल कन्यादान के रूप में लौटाना हमारा दायित्व है।

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

ADMISSION OPEN

Vijay Anand

International Academy

**Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri,
Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525**

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018